राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 14, अंक 223 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये | दुर्ग, मंगलवार 10 जून 2025 | www.samaydarshan.in

न्यूज Window

100 डेज के निर्देशक पार्थो घोष नहीं रहे, 75 साल की उम्र में ली अंतिम सांस

मुंबई (एजेंसी)। मनोरंजन जगत से एक बेहद दुखद खबर सामने आ रही है। दरअसल, जाने-माने निर्देशक और फिल्म निर्माता पार्थो घोष का 9 जून को निधन हो गया है।

75 साल की उम्र में उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कह दिया गया है। वह पिछले कुछ समय से हृदय संबंधी समस्याओं से जूझ रहे थे। पार्थो के परिवार में उनकी पत्नी गौरी घोष हैं।

पार्थो के अचानक निधन से हर कोई गमगीन है। बॉलीवुड में भी मातम पसर गया है। पार्थो ने अपने करियर की शुरुआत बतौर निर्देशक फिल्म 100 डेज से की थी। यह फिल्म 31 मई, 1991 को रिलीज हुई थी और इसे दर्शकों का खूब प्यार मिला। फिल्म में जैकी श्रॉफ और माधुरी दीक्षित मुख्य भूमिका में नजर आए थे। इसके बाद पार्थो ने बॉलीवुड को गीत (1992), दलाल (1993), तीसरा कौन (1994) और जीवन युद्ध (1997) जैसी फिल्में दीं। 1996 में आई फिल्म अग्नि साक्षी के लिए पार्थो ने सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का फिल्मफेयर पुरस्कार जीता था।

पार्थो को जीबन युद्ध (1997), गुलाम-ए-मुस्तफा (1997), कौन सच्चा कौन झूठा (1997), युगपुरुष (1998), खोटे सिक्के (1998), मसीहा (2002), सूर्या (2002), सितम (2005), रहमत अली (2010) और एक सेकंड...जो जिंदगी बदल दे? (2010) जैसी फिल्मों के लिए भी जाना जाता है।

तहव्वुर राणा को कोर्ट से राहत, मिल गई परिवार से बात करने की अनुमति

नईदिल्ली (एजेंसी)। मुंबई में 26/11 आतंकी हमले की साजिश को अंजाम देने वाले तहव्वुर राणा को सोमवार को दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट से बड़ी राहत मिली है।

कोर्ट ने उसकी फोन पर परिवार से बातचीत करने की मांग वाली याचिका को स्वीकार करते हुए उसे बात करने की अनुमति दे दी है।

बता दें कि राणा ने विदेशी नागरिक होने और उसके परिवार को उसकी स्थिति जानने का अधिकार होने का हवाला देते हुए बातचीत की अनुमति मांगी थी। कोर्ट ने राणा को परिवार से फोन पर बात करने की अनुमति देते हुए कहा कि टेलीफोन कॉल का संचालन जेल नियम के अनुसार और तिहाड़ जेल प्राधिकरण की निगरानी में किया जाएगा। इसी तरह कोर्ट ने अधिकारियों को 10 दिनों में राणा के स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों की दूसरी रिपोर्ट और राणा को नियमित रूप से फोन कॉल करने की अनुमति देने या न देने पर उनके स्पष्ट रुख की रिपोर्ट दाखिल करने के भी आदेश दिए हैं। पिछले सप्ताह अदालत ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए पेश किए जाने के बाद राणा की न्यायिक हिरासत को 9 जुलाई तक के लिए बढ़ा दिया था। उससे पहले 25 अप्रैल को कोर्ट ने उसकी परिवार से बात करने की अनुमति वाली याचिका को खारिज कर दिया था। बता दें कि राणा को 10 अप्रैल को अमेरिका से भारत प्रत्यर्पित किया गया था और अब वह 26/11 आतंकी हमलों के मामले में मुकदमे का सामना कर रहा है।

बेंगलुरु के होटल में प्रेमी ने 17 बार चाकू घोंपकर की प्रेमिका की हत्या

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में प्रेमी द्वारा अपनी शादीशुदा प्रेमिका की हत्या करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोपी ने महिला के शरीरी पर चाकू से 17 वार कर इस वारदात को अंजाम दिया। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों के सुपुर्द कर दिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आरोपी की तलाश में जुटी है।

सुब्रमण्यपुरा थाना पुलिस के अनुसार, मृतका हरिनी (33) है और आरोपी की पहचान तकनीकी विशेषज्ञ यशस (25) के रूप में हुई है। दोनों बेंगलुरु के पश्चिमी उपनगर केंगेरी के निवासी थे।

पुलिस ने बताया कि यशस ने हरिनी को मिलने के लिए प्रजना लेआउट स्थित एक ओयो होटल में बुलाया था। वहां रिश्ता खत्म करने के बाद को लेकर दोनों झगड़ा हो गया। इसके बाद यशस ने 17 बार चाकू घोंपकर हरिनी की हत्या कर दी।

पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) लोकेश बी जगलासर ने बताया, सुब्रमण्यपुरा पुलिस स्टेशन में एक हत्या की सूचना मिली थी। हरिनी संबंध खत्म करना चाहती थी और खुद को उससे दूर करने की कोशिश कर रही थी। गुस्से और ईर्ष्या के कारण यशस उसकी चाकू घोंपकर हत्या कर दी।

सुकमा में आईईडी ब्लास्ट में एएसपी बलिदान, एसडीओपी और टीआई घायल

एएसपी से लेकर एसडीओपी व थाना प्रभारी के साथ ही टीम किया गया था रवाना

सुकमा (समय दर्शन)। सुकमा जिले के गोलापल्ली में नक्सलियों ने एक पोकलेन में आग लगा दी। जिसकी जानकारी लगने पर सुकमा से पुलिस टीम रवाना किया गया, जिसमें एएसपी से लेकर एसडीओपी व थाना प्रभारी के साथ ही टीम रवाना किया गया था। जहां नक्सलियों के द्वारा लगाए आईडी ब्लास्ट में एएसपी बलिदान हो गए, जबकि एसडीओपी व थाना प्रभारी गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की जानकारी लगते ही पुलिस टीम मौके के लिए रवाना हो गई।

मामले की जानकारी देते हुए वरिष्ठ आला अधिकारियों ने बताया कि बसवराजू के साथ ही 28 नक्सलियों को पुलिस के जवानों ने 21 मई को मार गिराया था, जिसके बाद से बौखलाए नक्सलियों के द्वारा 10 जून को भारत बंद का आव्हान करते हुए गोलापल्ली के पास एक खदान में उपयोग हो रहे एक पोकलेन को आग लगा दी। घटना की जानकारी लगने पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आकाश राव अपने साथ एसडीओपी व थाना प्रभारी को लेकर घटनास्थल के लिए रवाना हुए, नक्सलियों को इस बात का अंदाजा था कि पुलिस के जवानों के साथ ही आला अधिकारी जरूर आएंगे।

इसी बात का अंदेशा लगाते हुए नक्सलियों ने आईडी लगाया था। जहां एएसपी जैसे ही पहुंचे कि आईडी की चपेट में आ गए। घटना में आकाश राव गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं थाना प्रभारी के अलावा एसडीओपी भी घायल हो गए। घायलों को बेहतर उपचार के लिए कोंटा के अस्पताल लाया गया। वहीं घटना के बाद से इलाके में सर्चिंग बढ़ा दी गई है। आईजी बस्तर पी सुंदरराज ने बताया कि कोंटा-एर्राबोरा मार्ग पर डोंड्रा के पास प्रेशर आईईडी ब्लास्ट की चपेट में आने से एएसपी कोंटा संभाग, जिला सुकमा, आकाश राव गिरिपंजे गंभीर रूप से घायल। ब्लास्ट में कुछ अन्य अधिकारी और जवान भी घायल हुए हैं।

कर्नाटक में रिलीज नहीं किया

कमल हासन को सुप्रीम कोर्ट से झटका, कर्नाटक में ठग लाइफ की रिलीज से जुड़ा है मामला

नईदिल्ली (एजेंसी)। अभिनेता कमल हासन की फिल्म ठग लाइफ बीते 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई, लेकिन कन्नड़-तमिल टिप्पणी विवाद की वजह से इस फिल्म को कर्नाटक में रिलीज नहीं किया गया था। जब कर्नाटक में ठग लाइफ की रिलीज की मांग की गई तो सिनेमाघरों के मालिकों को कई धमकियां मिलने लगीं। इस वजह से सिनेमाघरों को सुरक्षा देने की एक याचिका सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई थी, जिसकी अदालत ने तत्काल सुनवाई करने से इनकार कर दिया है।

ठग लाइफ को लेकर उठे विवाद के कारण कर्नाटक थिएटर एसोसिएशन ने सुरक्षा प्रदान के लिए एक याचिका सुप्रीम कोर्ट में दायर की थी। इस याचिका की सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति मनमोहन की पीठ ने कर्नाटक के थिएटर एसोसिएशन से कहा कि वे इस मामले में कर्नाटक उच्च न्यायालय का रुख करें।

साथ ही उन्होंने न्यायमूर्ति प्रशांत मिश्रा ने इस याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया है।

ठग लाइफ की बात करें तो इस फिल्म के निर्देशन की कमान मणिरत्नम ने संभाली है। फिल्म की कहानी मणिरत्नम ने कमल के साथ मिलकर लिखी है, वहीं वे दोनों इस फिल्म के सह-निर्माता भी हैं।

ठग लाइफ में कमल के अलावा सिलंबरासन, तृषा कृष्णन और अभिरामि जैसे कलाकार भी नजर आ रहे हैं। सैकनिल्क के मुताबिक, ठग लाइफ ने अब तक बॉक्स ऑफिस पर 36.90 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार कर लिया है।

मेघालय हनीमून मामला: सोनम ने ही कराई पति की हत्या ?

हत्या कराने के बाद यूपी भाग आई थी पत्नी!

पेशेवर हत्यारों को सुपारी देकर मर्डर करवाई

2 जून को गहरी खाई में मिला था राजा का शव

शिलांग (एजेंसी)। मेघालय हनीमून मनाने गए इंदौर के नवविवाहित जोड़े के गायब होने के मामले में बड़ा ट्वीस्ट सामने आया है। पत्नी सोनम उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में एक ढाबे पर मिली है। मेघालय पुलिस का कहना है कि सोनम ने ही अपने पति राजा रघुवंशी की हत्या कराई है। इस संबंध में 4 अन्य संदिग्धों को भी गिरफ्तार किया गया है।

मेघालय के डीजीपी आई नोंगरांग ने दावा किया कि सोनम ने पेशेवर हत्यारों को सुपारी देकर मर्डर करवाया। इससे पहले मेघालय पुलिस ने कहा था, सोनम ने गाजीपुर के नंदगंज पुलिस थाने में आत्मसमर्पण कर दिया है। मामले में 3 लोगों को हिरासत में लिया गया है- मध्य प्रदेश के इंदौर से 2 और एक उत्तर प्रदेश के ललितपुर से।

पुलिस ने कहा कि इसमें कई राज्यों की पुलिस और एजेंसियों की भी मदद रही। पुलिस ने अब तक 4 संदिग्धों को हिरासत में लिया है। इनके नाम राज कुशवाहा, विशाल चौहान, आकाश राजपूत और आनंद कुर्मी बताए जा रहे हैं। आनंद को छोड़कर तीनों संदिग्ध इंदौर के ही रहने वाले हैं। आनंद को बीना के बसारी गांव से पकड़ा गया है।

बताया जा रहा है कि राज कुशवाह सोनम का बॉयफ्रेंड था और उसने ही सोनम के साथ मिलकर हत्या की पूरी साजिश रची थी। इस मामले में पुलिस को 7 जून को बड़ी सफलता मिली थी, तब एक गाइड ने बताया था कि उसने सोनम और राजा को 3 अज्ञात लोगों के साथ देखा था। ये आखिरी मौका था, सोनम और राजा को साथ देखा गया था।

गाइड ने कहा था कि राजा 3 लोगों के साथ चल रहा था, जबकि सोनम इनके पीछे थी।

वहीं, घटनास्थल से एक चाकू भी बरामद हुआ था, जो मेघालय में इस्तेमाल होने वाले चाकुओं से अलग था। जांच में सामने आया है कि सोनम के पिता का इंदौर में एक प्लाईवुड कारखाना है। यहां राज मैनेजर का काम करता था। सोनम फैक्ट्री में आती रहती थी।

इसी दौरान वो राज के संपर्क में आई और दोनों का अफेयर शुरू हो गया। घटना से 2 दिन पहले तक राज फैक्ट्री में आ रहा था। उसने राजा को रास्ते से हटाने के लिए कुछ लोगों को सुपारी दी थी। रिपोर्ट के मुताबिक, सोनम और राज ने मिलकर राजा की हत्या की साजिश रची थी।

साउथ दिल्ली से एयरपोर्ट तक दो अंडरग्राउंड ट्यूब टनल से गुजरेगा ट्रैफिक, निर्माण पर खर्च होंगे 3500 करोड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली एयरपोर्ट के आसपास ट्रैफिक जाम की समस्या को दूर करने की चल रही कवायद के तहत केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की तरफ से बड़ी योजना को मंजूरी मिली है. दक्षिणी दिल्ली में महिपालपुर स्थित शिव मूर्ति चौक से वसंत कुंज के नेल्सन मंडेला मार्ग के बीच करीब पांच किलोमीटर लंबी अंडरग्राउंड ट्यूब टनल का निर्माण किया जाएगा. इसपर करीब 3,500 करोड़ रुपए खर्च होंगे. टनल में दो अंडरग्राउंड ट्यूब रोड, अप और डाउन यातायत के लिए बनाए जाएंगे. इनमें प्रत्येक में तीन लेन होंगी, यानी यातायात के आवागमन के लिए कुल छह लेन की सुविधा मिलेगी. इस योजना को लेकर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का कहना है कि दिल्ली में डबल इंजन की सरकार का लाभ लोगों को मिलने लगा है. इसी के तहत केंद्र सरकार के सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय ने छह नए प्रोजेक्ट्स को हरी झंडी दिखाई है. उनमें से एक परियोजना पांच किलोमीटर लंबा वह टनल मार्ग भी शामिल है, जो साउथ दिल्ली और एनसीआर का यातायात संतुलित करेगा।

यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा को नहीं मिली बेल, न्यायिक हिरासत फिर 14 दिन बढ़ी

हिसार (एजेंसी)। पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा को कोर्ट ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है. हिसार कोर्ट में ज्योति मल्होत्रा की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेशी हुई जिसके बाद ज्योति को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया. अब ज्योति मल्होत्रा 23 जून तक न्यायिक हिरासत में रहेगी. ये जानकारी ज्योति मल्होत्रा के अधिवक्ता कुमार मुकेश ने दी. बता दें कि सिविल लाइन पुलिस ने ज्योति मल्होत्रा के खिलाफ जासूसी करने के आरोपों समेत कई धाराओं में केस दर्ज किया था.

हिसार की रहने वाली यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा को पिछली बार हिसार कोर्ट में पेशी के बाद 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजा गया था. आज उसे दोबारा हिसार कोर्ट में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पेश किया गया. यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा का पाकिस्तानी अफसरों के साथ लगातार कनेक्शन का खुलासा हो रहा है. पहले दानिश के साथ ज्योति के संबंधों का खुलासा हुआ. फिर पता चला है कि ज्योति मल्होत्रा पाकिस्तान के रिटायर्ड सब इंस्पेक्टर नासिर ढिल्लो के साथ भी संपर्क में थी. पाकिस्तानी दूतावास के कर्मचारी दानिश की दोस्त ज्योति मल्होत्रा ने पाकिस्तान में घूम-घूमकर कई जगहों पर वीडियो बनाए. यहां तक कि पाकिस्तान में उसको हाईप्रोफाइल वीआईपी सिक्योरिटी तक दी गई. वीडियो बनाने के दौरान हाथ में एके-47 लेकर कई सुरक्षा गार्ड्स पाकिस्तान में ज्योति मल्होत्रा की सुरक्षा करने में लगे नजर आ चुके हैं.

भारत के लिए ऐतिहासिक पल

दुनिया का सबसे बड़ा कार्गो शिप एमएससी इरिना विझिनजाम बंदरगाह पहुंचा

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। दुनिया का सबसे बड़ा कार्गो शिप एमएससी इरिना सोमवार को केरल के विझिनजाम बंदरगाह पर लंगर डाल दिया है. जहाज का इस नए बंदरगाह पर पहुंचना एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होने जा रहा है. सुबह करीब 8 बजे बंदरगाह के प्रवेश द्वार पर जहाज का स्वागत वाटर सैल्यूट से किया गया. यह जहाज 3 जून को विझिनजाम के पास बाहरी समुद्र में पहुंच गया था. हालांकि, आगे 6 अन्य जहाजों के निर्धारित होने के कारण, इसके तट पर पहुंचने में देरी हुई. इस विषय पर मलयाली कैप्टन विली एंटनी ने ईटीवी भारत को बताया कि विझिनजाम में करीब 3,000 कंटेनर उतारे जाएंगे

एमएससी इरीना दुनिया में सबसे ज्यादा टीईयू (ट्वेंटी-फुट इक्विवेलेंट यूनिट) क्षमता रखता है. 399.9 मीटर लंबाई और 61.3 मीटर चौड़ाई वाले इस जहाज को एशिया और यूरोप के बीच बड़े पैमाने पर माल की आवाजाही को सक्षम करने के उद्देश्य से 2023 में लॉन्च किया गया था.

विझिनजाम पोर्ट के अधिकारियों के मुताबिक, 26,346 टीईयू की क्षमता के साथ, जहाज का डेक एक मानक फीफा फुटबॉल मैदान से लगभग चार गुना अधिक क्षेत्र में फैला हुआ है. इसका ड्राफ्ट भी 16.2 मीटर है. यह जहाज अल्ट्रा-लार्ज कंटेनर जहाजों की पोस्ट-स्वेजमैक्स कटैगरी का है. यह 28 मई को

सिंगापुर से विझिनजाम के लिए रवाना हुआ था. अब यह जहाज अनलोडिंग प्रक्रिया पूरी करने के बाद स्पेन के लिए रवाना होने वाला है. कैप्टन विली एंटनी ने इतने बड़े जहाज को अपने देश में ले जाने में सक्षम होने पर अपनी खुशी व्यक्त की. एर्नाकुलम जिले के अंगमाली का एक और मलयाली भी जहाज के चालक दल का हिस्सा है. कैप्टन विली ने कहा कि हाल ही में देखे गए अन्य बंदरगाहों की तुलना में विझिनजाम की गहराई एक महत्वपूर्ण लाभ है और इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे बंदरगाह वैश्विक समुद्री मानचित्र पर एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में तेजी से उभरा है. अडानी समूह द्वारा संचालित विझिनजाम अंतर्राष्ट्रीय बंदरगाह का उद्घाटन 2 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था. एमएससी इरीना का आगमन नए खुले बंदरगाह के लिए एक बड़ी उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है.

मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने पर बोले जेपी नड्डा

विकसित और आत्मनिर्भर भारत की रखी गई मजबूत नींव

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोदी सरकार के सोमवार को 11 साल पूरे हो गए। इस मौके पर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सरकार के कामकाज, फैसलों और नीतियों पर भाजपा हेडक्वार्टर में प्रेस कॉन्फ्रेंस की।

उन्होंने कहा- नोटबंदी के दौरान विपक्षी पार्टियां जनता को भड़का रही थीं, लेकिन लोग सरकार के सपोर्ट में लाइनों में लगे थे। लोगों को मोदी जी की लीडरशिप पर भरोसा था।

नड्डा ने कहा- देश ने मान लिया था कि अनुच्छेद 370 हटाना मुमकिन नहीं है, लेकिन मोदी सरकार ने कर दिखाया। जम्मू-कश्मीर में लोकसभा चुनाव के दौरान 58.46त्न वोटिंग हुई, वहीं विधानसभा चुनाव में 63त्न वोट पड़े। यह बदलाव मोदी सरकार के साहसी फैसले का नतीजा है।

करप्शन: 'यह एक पारदर्शी और भविष्य की सोच वाली सरकार है। 11 साल में विकसित भारत की नींव मजबूत हुई है। पहले की सरकार भ्रष्टाचार और निराशा के माहौल से भरी थी। 2014 के बाद माहौल

पूरी तरह बदल गया। आज लोग गर्व से कहते हैं, 'मोदी है तो मुमकिन है।'

इकोनॉमी: 'पिछले 11 सालों में भारत दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं में 10वें से 5वें नंबर पर पहुंच गया है। ढ्ढरूस्न के नए आंकड़ों के मुताबिक, अब हम चौथे स्थान पर पहुंचने वाले हैं। भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना है।'

चुनाव में गड़बड़ी: 'विपक्ष को चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाने से पहले सोचना चाहिए। जब आप हिमाचल, पंजाब में जीतते हो तो सब ठीक है। जहां हारते हो, वहां धांधलेबाजी का आरोप लगाते हो। हर बार वे यही बात करते हैं कि इतने वोट जुड़ गए, उतने वोट जुड़ गए। ये कैसे सही है?'

नोटबंदी: मुझे याद है नोटबंदी के दौरान विपक्षी पार्टियां फायदा उठाने के लिए जनता को उकसा रही थीं, लेकिन भारत का आम आदमी बैंक के सामने घंटों खड़ा रहा और मोदी सरकार के फैसले का समर्थन किया। जब लीडरशिप पर भरोसा होता है, तो जनता समर्थन करती है। आप भूल गए होंगे, लेकिन मैं भूलता नहीं।

ऑपरेशन सिंदूर: भगवान राहुल गांधी को सद्बुद्धि दें, क्योंकि उनके मकसद को समझना बहुत मुश्किल है। जब वे ऑल पार्टी मीटिंग में जाते हैं, तो कहते हैं कि देश के साथ खड़े हैं। बाहर निकलने पर सवाल उठाने लगते हैं। ऐसे सवाल जो पूरी तरह से निराधार हैं। मैं केवल यही कह सकता हूं कि वे गैर-जिम्मेदार विपक्ष की भूमिका निभा रहे हैं।

सरकार ने लोगों की जिंदगी आसान बनाई-पीएम

मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया ङ्ग पर वीडियो पोस्ट किया। साथ ही उन्होंने लिखा, 'हमारी सरकार की योजनाओं के केंद्र में गरीब भाई-बहनों के साथ जन-जन का कल्याण हो रहा है। हमने पूरी निष्ठा और सेवाभाव के साथ लोगों की जिंदगी आसान बनाने की कोशिश की है।'

एक दिन पहले रविवार को मोदी ने कहा था कि उज्ज्वला योजना ने लाखों घरों को धुएं से मुक्ति दिलाई। मुद्रा योजना से महिलाओं को खुद का बिजनेस शुरू करने का मौका मिला। प्रधानमंत्री आवास योजना में महिलाओं के नाम पर घर देने से उन्हें संपत्ति में हिस्सेदारी मिली। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान ने बेटियों की सुरक्षा और शिक्षा को लेकर देशभर में जागरूकता फैलाई।'

सिद्धारमैया बोले- मोदी सरकार को जीरो नंबर मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा, 'मीडिया प्रचार की वजह से मोदी ने सत्ता में 11 साल पूरे कर लिए हैं। मैं मोदी सरकार को जीरो नंबर दूंगा।

संक्षिप्त समाचार

राज्य स्तरीय ग्रीष्म कालीन भारोत्तोलन प्रतियोगिता में पाटन के खिलाड़ियों का दबदबा

पाटन (समय दर्शन)। प्रतियोगिता में 55 किलो वजन वर्ग समूह में महुदाग्राम के कुंदन विश्वकर्मा ने अंडर 17 में स्वर्ण पदक अंडर 19 में स्वर्ण पदक सीनियर में स्वर्ण पदक भूपेश साहू ने 61 किलो वजन वर्ग समूह में अंडर 17 में स्वर्ण पदक अंडर 19 में कांस्य पदक टाकेस्वर साहू (झीट)ने अंडर 17 में कांस्य पदक हासिल कीया साथ ही साथ कन्हैया साहू (झीट) ने अंडर 19 में 4थे स्थान पर रहे। पूरे प्रतियोगिता में दुर्ग जिले से सिर्फ 4 खिलाड़ियों में भाग लिया था सभी का बहुत ही बढ़िया प्रदर्शन रहा । टीम के कोच योगेश कुमार थे।

जिले में राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत कम्यूनिटी एडवाइजरी बोर्ड गठित

मुंगेली (समय दर्शन) राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य एड्स नियंत्रण समिति के निर्देशानुसार जिले में कम्यूनिटी एडवाइजरी बोर्ड का गठन किया गया। यह बैठक परियोजना संचालक एवं संचालक स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. प्रियंका शुक्ला एवं कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार, राज्य एड्स नियंत्रण समिति के उपसंचालक विक्रांत वर्मा की अध्यक्षता में, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रभात चंद्र प्रभाकर एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक गिरीश कुर्रे के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। बैठक में कैब बोर्ड की भूमिका, कार्ययोजना और दिशा कार्यक्रम की विस्तार से जानकारी दी गई। उपसंचालक वर्मा ने राज्य कार्यालय की ओर से कार्यक्रम की समीक्षा की और कैब बोर्ड को एचआईव्ही/एड्स रोकथाम से जुड़े निर्देश प्रदान किए। साथ ही, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन, नई दिल्ली द्वारा एचआईव्ही की वर्तमान स्थिति, बचाव के उपायों और नवीनतम आंकड़ों को भी साझा किया गया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रभाकर ने बोर्ड के सभी सदस्यों से समुदाय स्तर पर प्रभावी कार्य कर सकारात्मक परिणाम लाने का आह्वान किया। वहीं जिला एड्स नोडल अधिकारी डॉ. सुदेश कुमार रात्रे ने सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि एचआईव्ही संक्रमित व्यक्तियों को निःशुल्क बस पास, अंत्योदय राशनकार्ड समेत कई योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। कार्यक्रम में आईसीटीसी परामर्शदाता दिलीप कुमार बसंत ने एचआईव्ही एक्ट 2017 के विभिन्न प्रावधानों पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम में पुलिस विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, समाज कल्याण विभाग, विधिक सेवा प्राधिकरण, सखी वन स्टॉप सेंटर, ग्रामीण विकास सहारा संस्था एवं जिला एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

युक्तियुक्तकरण को लेकर कांग्रेस का घेराव आज

राजनांदगांव। प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा युक्तियुक्तकरण के नाम पर किए जा रहे रोजगार विरोधी नीति अपनाकर हजारों युवाओं को बेरोजगार किया जा रहा है, जिसके विरोध में छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा शिक्षा-न्याय आंदोलन किया जा रहा है। ब्लॉक स्तरीय घेराव में वरिष्ठ कांग्रेस नेता गिरीश देवांगन विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कुलबीर सिंह छाबड़ा व जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष भागवत साहू के नेतृत्व में राजनांदगांव ब्लॉक में 10 जून मंगलवार को सुबह 11 बजे स्थानीय कौरिनभाठा, तालाब चौक स्थित विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय का घेराव किया जाएगा। शहर कांग्रेस कमेटी के महामंत्री अमित चंद्रवंशी ने उक्त घेराव में कांग्रेसजन, पालक सहित शहरवासियों से उपस्थिति की अपील की है।

जनजातियों को विकासमूलक योजनाओं का मिले शत प्रतिशत लाभ : कलेक्टर

गांवों में सर्वे करा कर विभिन्न योजनाओं से प्राथमिकता से लाभान्वित करने के दिए निर्देश

धरती आबा जनजाति ग्राम उत्कर्ष अभियान के संबंध में कलेक्टर ने ली बैठक

मुंगेली (समय दर्शन) जिले के जनजातीय बाहुल्य क्षेत्रों में समग्र विकास सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 15 जून से 30 जून तक 'धरती आबा जनजाति ग्राम उत्कर्ष अभियान' चलाया जाएगा। इसी कड़ी में कलेक्टर कुन्दन कुमार ने जिला कलेक्टोरेट स्थित मनियारी सभाकक्ष में संबंधित अधिकारियों की बैठक ली और आवश्यक दिशानिर्देश दिए। उन्होंने अभियान के सफल आयोजन के लिए कार्य योजना के संबंध में विस्तार से जानकारी ली और धरती आबा अंतर्गत शासन की विभिन्न योजनाओं से जनजातीय समुदाय के लोगों को शत प्रतिशत लाभान्वित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर कुंदन कुमार ने कहा कि गांवों में धरती आबा अंतर्गत विभिन्न योजनाओं एवं गतिविधियों के गैप आइडेंटिफिकेशन के लिए सर्वे कराएं तत्पश्चात शिविरों के माध्यम से प्राथमिकता के आधार पर योजनाओं का लाभ दिया जाए। उन्होंने इस अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों को विभिन्न शिविरों के नोडल एवं सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को चिन्हांकित गांवों का दौरा करने तथा अभियान का प्रभावी प्रचार प्रसार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने इस अभियान को केंद्र और राज्य सरकार की प्राथमिकता बताते हुए पूरी संवेदनशीलता के साथ जिले के चिन्हांकित ग्राम पंचायतों में शिविरों के आयोजन के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य शासकीय योजनाओं से वंचित परिवारों और ग्रामीणों को योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित करना है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रभाकर पांडेय ने बताया कि धरती आबा अभियान के तहत 35 आदिवासी गांवों में विकास की विभिन्न योजनाओं का लाभ सीधे पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने बताया कि शिविरों के माध्यम से जनजातीय समुदाय के लोगों को केंद्र और राज्य सरकार की 25 प्रमुख योजनाओं का लाभ एक ही स्थान पर शिविर के माध्यम से उपलब्ध कराया जाएगा। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास लक्ष्मी प्रसाद पटेल ने बताया कि आदिवासी क्षेत्रों के समग्र विकास और वहां निवास करने वाले जनजातियों के सामाजिक-आर्थिक उत्थान के उद्देश्य से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा धरती आबा जनजाति ग्राम उत्कर्ष अभियान का शुभारंभ 02 अक्टूबर 2024 को किया गया था। यह अभियान पीएम जनमन योजना की तर्ज पर तैयार किया गया है, जिसके अंतर्गत 17 मंत्रालयों द्वारा संचालित 25 गतिविधियों को समन्वित रूप से आदिवासी बाहुल्य ग्रामों में लागू किया जा रहा है।

आय,जाति, निवास, आधार कार्ड सहित 25 योजनाओं का मिलेगा लाभ- धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत जनजातीय बाहुल्य क्षेत्रों में शिविर आयोजित किए जाएंगे। आमजनों को आय, जाति, निवास आधार एवं आयुष्मान कार्ड, पेंशन योजना, आयुष्मान कार्ड, वन अधिकार पट्टा, आवास, सड़क जलापूर्ति सहित 25 योजनाओं एवं गतिविधियों का लाभ एक छत के नीचे दिया जाएगा। इस पहल के माध्यम से बुनियादी ढांचे, शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका और सामाजिक सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अंतरालों की पहचान कर अभिसरण और संतृप्तिकरण के माध्यम से विकास सुनिश्चित किया जाएगा। यह अभियान को जनजातीय समाज को मुख्य धारा से जोड़ने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है और जिले के आदिवासी गांवों में विकास की नई रोशनी पहुंचाने में मील का पत्थर साबित होगा।

22 हजार से अधिक लोग होंगे योजनाओं से लाभान्वित- सहायक आयुक्त लक्ष्मी प्रसाद पटेल ने जानकारी दी कि धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान से जिले के तीनों विकासखंडों के 22 हजार से अधिक लोग शासन की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित होंगे। इस अवसर पर संबंधित अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

खुड़िया वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का मिशन संचालक श्री शुक्ला ने किया निरीक्षण

गुणवत्ता में कोई समझौता नहीं, टीपीआई को कारण बताओ नोटिस जारी

मुंगेली(समय दर्शन) जल जीवन मिशन के तहत जिले में चल रहे निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मिशन संचालक जितेन्द्र शुक्ला ने लोरमी विकासखंड के ग्राम खुड़िया में निर्माणाधीन वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का सघन निरीक्षण किया। उन्होंने योजना के मैप एवं तकनीकी डिजाइनों का अवलोकन कर कार्य की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। मिशन संचालक शुक्ला ने निरीक्षण के दौरान रॉ वॉटर पंपिंग मशीनरी, डब्ल्यूटीपी (वाटर ट्रीटमेंट प्लान), पाइपलाइन कार्य और वॉटर ग्रेविटी सिस्टम की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने निर्माणाधीन कार्यों का मूल्यांकन किया, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि भविष्य में जलापूर्ति की कोई समस्या न हो। इस अवसर पर कलेक्टर कुन्दन कुमार, पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के प्रमुख अभियंता टी.डी. शांडिल्य, मुख्य अभियंता बिलासपुर संजय सिंह, कार्यपालन अभियंता मुंगेली कुन्दन राणा सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान मिशन संचालक शुक्ला ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि कार्यों की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने निर्माण में प्रयुक्त सामग्रियों की गुणवत्ता का भौतिक परीक्षण कर अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्य मानक अनुसार ही हो, प्रत्येक चरण का नियमित निरीक्षण सुनिश्चित किया जाए। इस अवसर पर टीपीआई धीरज दुबे की कार्यशैली में लापरवाही पाए जाने पर उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। साथ ही टीपीआई की उपस्थिति की प्रभावी निगरानी के लिए बायोमेट्रिक अटेंडेंस डिवाइस लगाने का निर्देश दिए गए।

मिशन संचालक ने कहा कि निर्माण कार्य की गति बढ़ाने हेतु श्रमिकों की संख्या बढ़ाई जाए। सब स्टेशन वाले क्षेत्र को सुरक्षित रूप से घेरा जाए। सामग्री के बिलों का नियमित परीक्षण किया जाए। उन्होंने निर्देश दिया कि वरिष्ठ अधिकारी हर सप्ताह स्थल का निरीक्षण करें एवं प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उन्होंने स्वयं भी समय-समय पर निरीक्षण के लिए पहुंचने की बात कही। मिशन संचालक ने स्पष्ट किया कि जल जीवन मिशन के तहत कार्यों में गुणवत्ता सर्वोपरि होगी और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। गौरतलब है कि खुड़िया वाटर ट्रीटमेंट प्लांट से जिले के 206 ग्रामों के ग्रामीणों को प्रत्यक्ष लाभ होगा। उन्हें स्वच्छ और पर्याप्त जलापूर्ति की सुविधा प्राप्त होगी, जिससे उनकी जीवनशैली में सुधार होगा।

माँ भद्रकाली जिला मानस संघ का बैठक संपन्न, नि:शुल्क नेत्र परीक्षण का लगा शिविर

थानखम्हरिया (समय दर्शन)। समीपस्थ ग्राम खैरझिटी में माँ भद्रकाली जिला मानस संघ के तत्वावधान में आयोजित निशुल्क नेत्र परीक्षण एवं मोतियाबिंद जांच शिविर ने ग्रामीण अंचल में स्वास्थ्य सेवा की अनुपम मिसाल पेश की। इस शिविर में वरिष्ठ नेत्र विशेषज्ञ डा. ओंकार चंद्राकर के नेतृत्व में सैकड़ों ग्रामीणों ने नेत्र परीक्षण कराया और स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया।

शिविर का शुभारंभ ग्राम सरपंच पीतांबर पटेल ने किया। उन्होंने आयोजन की सराहना करते हुए कहा, लोग मानस को पढ़ते तो हैं, लेकिन उसे जीवन में अपनाते नहीं। किन्तु 'मानस संघ' उस विचारधारा को जी रहा है और समाजसेवा के क्षेत्र में अनुकरणीय कार्य कर रहा है।

स्वास्थ्य शिविर उपरांत संघ की आवश्यक बैठक में अनेक पदों पर महत्वपूर्ण नियुक्तियाँ की गईं। बेबी साहू (नवागांव) को तहसील बेमेतरा का उपाध्यक्ष, पीतांबर पटेल व खेलन सिंह राजपूत को जिला संरक्षक पद पर मनोनीत किया गया। साथ ही आगामी समय में खैरझिटीकला में व्याख्यान माला आयोजन का भी निर्णय लिया गया।बैठक के पश्चात एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पंचायत भवन परिसर में कदम का पौधा रोपित किया गया, जो पर्यावरण संरक्षण व मातृ सम्मान का प्रतीक बना। इस अवसर पर अध्यक्ष देवलाल सिन्हा, डा. ओंकार चंद्राकर, बिहारी यादव, राजकुमार ताम्रकार, राजेश वैष्णव, विष्णु साहू, छगन साहू, महेंद्र चौहान, गुहाराम, ओम यदु, ईश्वर चंद्राकर, अजय यादव, ईश्वर सिन्हा, गजेंद्र वर्मा, राम किशोर वैष्णव, माखन साहू, सोहन यदु, दीपक सिन्हा, रविदास मानिकपुरी, कल्याणी सेन, अवध यदु, विनोद यदु, मनोज साहू, लोकेन्द्र सेन, सीताराम यदु, महेश साहू, नरेंद्र जयसवाल, डा. ललित साहू सहित बड़ी संख्या में मानस मंडली के सदस्य उपस्थित रहे।यह आयोजन सामाजिक स्वास्थ्य, साहित्यिक चेतना और पर्यावरणीय जिम्मेदारी का एक प्रेरणादायक संगम रहा।

सामाजिक विकास, युवा संगठन की मजबूती के लिए लोधी समाज के पदाधिकारियों ने बैठक में किया मंथन

पाटन (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ राज्य लोधी समाज को मजबूत करने विभिन्न जिला में बैठकों का दौर जारी है। इसी कड़ी में कबीरधाम जिला में भी बैठक आयोजित हुई ।इस बैठक में पाटन से भी कई पदाधिकारी शामिल हुए। पाटन के ग्राम रही निवासी सुरेश सिंगौर प्रदेश अध्यक्ष युवा लोधी समाज के नेतृत्व में यहां के सामाजिक लोग कबीरधाम जिला में आयोजित बैठक में शामिल हुआ।

छत्तीसगढ़ राज्य लोधी समाज प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम वर्मा, महासचिव कृष्णा कुमार सिंगौर, कोषाध्यक्ष, विष्णु लोधी , संगठन मंत्री जीवन कौशिक , अंकेक्षक विमल पटेल के दिशा निर्देश आदेशानुसार प्रदेश युवा अध्यक्ष सुरेश सिंगौर के नेतृत्व में जिला कबीरधाम जिला अध्यक्ष संतोष कौशिक जी सभी सर्किल अध्यक्षों एवं पदाधिकारीयों की उपस्थिति में सामाजिक विकास उत्थान एवं युवा संगठन के विस्तार के संदर्भ में महत्वपूर्ण सार्थक पहल विचार मंथन के साथ सार्थक परस्परिक चर्चा के साथ सफलतापूर्वक बैठक संपन्न हुआ।। अपना कीमती एवं बहुमूल्य समय निकालकर वरिष्ठ मार्गदर्शक अधीन जंघेल जी, जिला अध्यक्ष लोधी समाज रायपुर , श्री मान बनऊ सिंह वर्मा जी जिला अध्यक्ष लोधी समाज दुर्ग श्री ओम जंघेल स्टेशन लोधी पारा सर्किल रायपुर के उपस्थिति में श्रीमान संतोष कौशिक जी जिला अध्यक्ष की अध्यक्षता में लोधी समाज कबीरधाम निवास ग्राम बंदोरा मैं बैठक संपन्न सर्वप्रथम अपने उद्बोधन में श्री अधीन जंघेल जी ने कहा कि सर्वप्रथम हम लोधी हैं जंघेल कौशिक राजपूत चंदेल वर्मा सिंगौर कौशिक हम एक हैं सामाजिक व्यक्ति या पदाधिकारी कोई भी फिरका से हो बिलॉन्ग करता हो हम लोधी ही हैं क्योंकि हम सब छत्तीसगढ़ लोधी समाज के बेनर तले है ऐसे विभिन्न बातों को सामाजिक प्रभु जनों के बीच विशेष रूप से प्रकाश डाला तत्पश्चात श्री वर्मा जी जिला अध्यक्ष दुर्ग ने विस्तार से अपने बात रखा लोधी समाज के संगठन को कैसे मजबूत करें और किस दिशा में काम करें हम व्यक्ति विशेष के कहने पर ऐसी कोई काम ना करें क्योंकि हम सब माननीय श्री घनश्याम वर्मा जी के नेतृत्व में लगातार समाज को किस दिशा में आगे बढ़े और कैसे संगठन को मजबूत करें यह हम सब लगातार सामाजिक विकास के कार्य कर रहे हैं । सभी जिला में दौरा करके कृषि के क्षेत्र में, व्यापार के क्षेत्र में, शिक्षक के क्षेत्र में हम अपने आने वाले पीढ़ी को किस दिशा में लेकर चले ऐसे विभिन्न सामाजिक बातें पर प्रकाश डाला तत्पश्चात श्रीमान संतोष कुमार कौशिक जी जिला अध्यक्ष लोधी समाज कबीरधाम ने अपना विचार रखा माननीय घनश्याम वर्मा जी के नेतृत्व में हम छत्तीसगढ़ राज्य लोधी समाज का अंग व हिस्सा है,मैं भी उसका जिला अध्यक्ष होने के नाते उनका एक अंग हूं । प्रदेश अध्यक्ष जी का हर आदेश निर्देश का बखूबी पालन करूंगा मैं संगठन में सामाजिक हित,

एकजुटता को ध्यान में रखकर कार्य करूंगा इसके पश्चात बारी-बारी से सभी सर्किल अध्यक्ष गण ने सामाजिक गतिविधि के संदर्भ में चर्चा किये तथा युवा साथियों ने भी अपने बातों को प्रमुखता से रखें। श्री सुरेश सिंगौर जी युवा प्रदेश अध्यक्ष,लोधी समाज छत्तीसगढ़ ने कहा की संगठन से बड़ा कोई नहीं हो सकता संगठन सर्वोपरि जिला अध्यक्ष सर्किल,अध्यक्ष युवा संगठन सभी युवा साथियों से विस्तार पूर्वक चर्चा कर सामाजिक गतिविधियों को लगातार प्रदेश के द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए एक अच्छा कार्य के लिए सभी को प्रेरित किया एवं सभी सामाजिक गतिविधि को माननीय प्रदेश अध्यक्ष महोदय श्री वर्मा जी एवं प्रदेश संगठन के वरिष्ठ जनों के समक्ष रखकर बहुत जल्द प्रदेश युवा संगठन विभिन्न प्रकोष्ठ के गठन के संदर्भ में आगामी सप्ताह के अंतर्गत पुनः कबीरधाम जिला में वरिष्ठ जनों की उपस्थिति में युवाओं का एक बड़ा सम्मेलन कर नई दायित्व के लिए आप सभी उक्त युवा सम्मेलन अधिक से अधिक युवा साथी उपस्थित होकर अपनी बात को रखेंगे । चर्चा में यह स्पष्ट किया गया की किसी के अनुशंसा या किसी के सिफारिश पर किसी को पद नहीं दिया जाएगा सभी जिला वासियों के ओर से आए हुए प्रस्ताव को प्रदेश संगठन के समक्ष रखकर नई जिम्मेदारी आपके अनुभव और आपके काम करने के दक्षता के आधार पर नए दायित्व दिया जाएगा इस अवसर पर विशेष रूप उपस्थित श्री संतोष कुमार कौशिक जी जिला अध्यक्ष लोधी समाज, श्री संजीव कौशिक जिला महासचिव लोधी समाज, श्री अजीत कौशिक सर्किल अध्यक्ष जिंदा, श्री अवध कौशिक सर्किल अध्यक्ष गोछिया, श्री शिवकुमार कौशिक सर्किल अध्यक्ष बम्हनी, श्री हरदेव कौशिक सर्किल अध्यक्ष झिरौनी , श्री कृष्णा जंघेल सर्किल अध्यक्ष सिंघनपुरी जंगल, रूपेश कौशिक,तुकेश कौशिक, नरेंद्र कौशिक, यशवंत कौशिक, सुभाष कौशिक, भरत कौशिक, धीरज कौशिक, पुरुषोत्तम कौशिक, सहित युवा साथी तत्पश्चात, ग्राम बंदोरा में सामाजिक युवा साथी, नेतराम कौशिक पिता धनुराम कौशिक के सड़क दुर्घटना में आकस्मिक निधन होने के खबर मिलने पर उनके निवास स्थान पर पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित शोक संपत परिवार को मिलकर सुरेश सिगौंर ने कहा विधि विधान के सामने हम सब नतमस्तक हैं छत्तीसगढ़ लोधी समाज इस दुख की घड़ी में आपके साथ हैं तत्पश्चात श्री रामफल कौशिक जी प्रदेश उपाध्यक्ष लोधी समाज छत्तीसगढ़ के निवास कबीरधाम जिला में मिलकर विभिन्न सामाजिक चर्चा हुआ जिसमें राष्ट्रीय संगठन प्रचार सचिव, श्री पीला राम कौशिक जी, श्री श्रवण कौशिक जी प्रदेश प्रचार सचिव लोधी समाज छत्तीसगढ़, लाल, कौशिक, प्रमोद कौशिक,सूर्य कौशिक, धीरज कौशिक, दुर्गेश कौशिक, सहित अन्य सामाजिक व्यक्ति उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा पर जूतों की माला ग्रामीणों में आक्रोश

रायपुर। खैरागढ़ से लगभग 12 किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत अवेली में गुरुवार सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया, जब गांव के अटल चौक पर स्थापित पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा को किसी अज्ञात व्यक्ति ने जूतों की माला पहना दी. इस घटना से पूरे गांव में गहरा आक्रोश और शर्मिंदगी फैल गई है. सुबह जब ग्रामीण नियमित रूप से चौक से गुजर रहे थे, तो उन्होंने यह अपमानजनक दृश्य देखा. देखते ही देखते बड़ी संख्या में ग्रामीण चौक पर जमा हो गए और घटना के प्रति तीव्र नाराजगी व्यक्त की. सूचना मिलने पर जालबांधा पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और ग्राम कोतवाल की सहायता से प्रतिमा से जूतों की माला हटवाई. पुलिस ने मामले की गंभीरता को समझते हुए जांच शुरू कर दी है। ग्रामीणों ने बताया कि अटल चौक के पास दो दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था, जिसका समापन बुधवार रात करीब 2 बजे हुआ था. इसके बाद सभी लोग अपने घरों को लौट गए थे. चौंकाने वाली बात यह है कि लगभग 4 बजे के आसपास चौक की सभी लाइटें रहस्यमय तरीके से बंद हो गईं, जबकि बिजली विभाग ने बिजली आपूर्ति बंद करने से इनकार किया है. इस तथ्य से यह आशंका बलवती हो रही है कि इस घिनौनी वारदात को अंधेरे का फायदा उठाकर अंजाम दिया गया है। फिलहाल गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है. ग्रामीण इस बात से व्यथित हैं कि अटल बिहारी वाजपेयी जैसे सम्मानित व्यक्तित्व की प्रतिमा को भी शरारती तत्वों ने नहीं बख्शा. सभी की एक ही मांग है ।

केन्द्र सरकार ने पर्यावरण संरक्षण के लिए शुरू किया माय भारत पोर्टल

रायपुर। पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के दिशा निर्देश में पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रमों से युवाओं को जोड़ने माय भारत पोर्टल प्रारंभ किया गया है। विशेषकर युवाओं के लिए ही तैयार किये गए इस पोर्टल पर रजिस्टर करने पर युवाओं को भारत सरकार की तरफ से प्रमाण पत्र भी प्रदान किया जा रहा है। पोर्टल के माध्यम से युवाओं को अपने शहर में आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रमों की जानकारी मिलेगी और वे अपनी रूचि के अनुरूप कार्यक्रमों में अपनी सहभागिता देकर विकसित भारत की आधारशिला माय भारत पोर्टल में रजिस्ट्रेशन के लिए युवाओं को अपना नाम और मोबाइल नम्बर दर्ज करना होगा। ओ.टी.पी. कन्फर्मेशन के साथ ही युवा को भारत सरकार का प्रमाण पत्र प्राप्त होगा। इस पोर्टल के माध्यम से युवा फायर सर्विसेस, अस्पताल, पुलिस जैसे कई आपातकालीन सेवाओं के लिए स्वयं को सिविल डिफेंस वॉलिंटियर के तौर पर भी रजिस्टर कर सकते हैं। पोर्टल में रजिस्टर के लिए 15 से 29 वर्ष की आयु निर्धारित है। यह पोर्टल एक्सपेरिमेंटल लर्निंग प्रोग्राम के लिए भी युवा इस पोर्टल के माध्यम से रजिस्टर कर सकते हैं। इस पोर्टल के माध्यम से विभिन्न विषयों पर क्विज़ के अलावा शहर में विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करने संचालित गतिविधियों की भी जानकारी प्राप्त है।

देश को बदलना है तो शिक्षा को बदलों-डॉ. अतुल कोठारी

रायपुर। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली 28 जुलाई को केरल में ज्ञान सभा आयोजित करेगा। न्यास संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत उक्त कार्यक्रम के मुख्य अतिथि होंगे। यह जानकारी प्रेस क्लब रायपुर में आयोजित पत्रकार वार्ता में संस्था के राष्ट्रीय सचिव डॉ. अतुल कोठारी क्षेत्र प्रमुख डॉ. प्रफुल्ल शर्मा प्रान्त संयोजक दिलीप केशरवानी ने संयुक्त रूप से दी। पत्रकार वार्ता में डॉ. कोठारी ने बताया कि जब तक शिक्षा व्यवस्था में बदलाव नहीं होगा तब तक भारत पुन: विश्व गुरू नहीं बन पायेगा। उन्होंने कहा कि मां, मातृभूमि, मातृभाषा का कोई विकल्प नहीं है। डॉ. कोठारी के अनुसार राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 केवल नीतिगत दस्तावेज नहीं है बल्कि भारत के ज्ञान विवेक सांस्कृतिक चेतना और आत्मनिर्भरता के संकल्प का घोष है। यह नीति हमें हमारी जनों को जोड़ती हैं और भविष्य की ओर मार्ग प्रशस्त करती है। 24, 25 मई को जबलपुर मध्यप्रदेश में न्यास की बैठक हुई थी जिसमें देशभर के 40 प्रान्तों से 170 से अधिक पदाधिकारी शामिल हुए। न्यास की चिंतन बैठक 25 से 27 जुलाई के मध्य केरल के कालडी में होगी।

निदान-1100 में नहीं सुनी जा रहीं शिकायतें सूडा ने लगाई फटकार

रायपुर। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के राज्य शहरी विकास अभिकरण ने जन शिकायत निवारण प्रणाली में प्राप्त शिकायतों के समय-सीमा में निराकरण नहीं होने पर अधिकारियों को फटकार लगाई है। शिकायतों के निराकरण के लिए सभी नगरीय निकायों को नोडल अधिकारी और सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त करने के निर्देश दिए हैं। सूडा ने समय-सीमा में शिकायतों का निराकरण नहीं होने पर नाराजगी जाहिर करते हुए सभी नगर निगमों के आयुक्तों और नगर पालिका अधिकारियों को परिपत्र जारी कर नोडल अधिकारी और सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त करने कहा है।

मुख्यमंत्री ने तीन दिवसीय राष्ट्रीय आम महोत्सव का किया शुभारंभ

आम की खेती किसानों की आय बढ़ाने में मददगार-मुख्यमंत्री

- आम महोत्सव के आयोजन से फलों और उद्यानिकी फसलों की खेती के लिए किसान होंगे प्रोत्साहित

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा है कि आम की खेती किसानों की आय बढ़ाने की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण है। किसान जितने ज्यादा आम के पौधे लगाएंगे, उतना ज्यादा फायदा होगा। आम और उद्यानिकी फसलों की खेती से हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के किसानों की आय दोगुनी करने के संकल्प को पूरा करने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री आज राजधानी रायपुर के इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मण्डपम् में आयोजित चार दिवसीय राष्ट्रीय आम महोत्सव को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने महोत्सव का विधिवत शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि ऐसे उत्सवों से फलों और उद्यानिकी फसलों की खेती करने वाले किसानों को प्रोत्साहन मिलेगा। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर तथा संचालनालय उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी, छत्तीसगढ़ शासन तथा प्रकृति की ओर सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय आम महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने की। इस अवसर पर विधायक पद्मश्री श्री अनुज शर्मा, छत्तीसगढ़ नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष श्री संजय श्रीवास्तव, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल, कृषि वैज्ञानिक, छत्तीसगढ़ सहित विभिन्न राज्यों से आये आम उत्पादक किसान और विश्वविद्यालय के विद्यार्थी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री सहित अतिथियों ने इस अवसर पर प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के 'न्यूज लेटर' का विमोचन किया। आयोजकों द्वारा अतिथियों का उन्नत किस्म के आम के

ग्राफ्टेड पौधे देकर सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति और विशेषकर छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक परंपराओं में आम का विशेष महत्व है। छत्तीसगढ़ में सभी मांगलिक एवं धार्मिक कार्यों में आम के पत्तों, फलों एवं अन्य अंगों का उपयोग किया जाता है तथा आम के पेड़ को बहुत ही शुभ माना जाता है। श्री साय ने कहा कि भारत में आम की समृद्ध जैवविविधता देखने को मिलती है और यहां आम की सैकड़ों प्रजातियां पाई जाती हैं जो अपने विशिष्ट स्वाद, सुगंध और गुणों के कारण दुनिया भर में बहुत लोकप्रिय हैं। आम के इन्ही विशिष्ट गुणों के कारण इसे फलों का राजा भी कहा जाता है। श्री साय ने कहा कि इस भव्य और वृहद आम महोत्सव में छत्तीसगढ़ वासियों को आम की सैकड़ों विशिष्ट एवं दुर्लभ प्रजातियां देखने का अवसर प्राप्त हुआ। श्री साय ने कहा कि आज यहां उन्हें स्वयं आम की अनेकों दुर्लभ किस्में देखने को मिली जो उन्होंने अपने जीवन में इससे पूर्व नहीं देखी थी। इनमें से एक प्रजाति बीजापुर की हाथीझुल किस्म है जिसका एक-एक फल दो किलो से लेकर चार किलो तक वजन का होता है। श्री साय ने आशा व्यक्त की कि आगामी वर्षों में यहां आम महोत्सव और भी भव्य एवं वृहद स्तर पर आयोजित किया जाएगा जिससे रायपुर को एक नई पहचान मिलेगी। शुभारंभ समारोह को संबोधित करते हुए धरसींवा विधायक श्री अनुज शर्मा ने कहा कि आम महोत्सव में लगी आम प्रदर्शनी में 2 इंच से लेकर 15 इंच आकार तक के आम के फल देखने को मिल रहे हैं जो रायपुर वासियां के लिए एक सुखद एवं अनोखा अनुभव है। उन्होंने कहा कि यह प्रयास करना होना चाहिए की रायपुर शहर से अधिक से अधिक लोग आम महोत्सव में पहुंच कर आम की इन किस्मों को देख सकें।

नक्सलवाद की धुंध छटी, अब शिक्षा की रौशनी फैल रही है

- पूर्व नक्सली इलाकों में गुरुकुल की स्थापना, बच्चे लौटे शिक्षा की ओर

रायपुर/ संवाददाता

बस्तर संभाग, जो कभी नक्सलवाद का गढ़ माना जाता था, अब शिक्षा और विकास की नई इबारत लिख रहा है। राज्य और केंद्र सरकार की संयुक्त रणनीति तथा सुरक्षाबलों के साहसिक अभियानों ने नक्सलियों की पकड़ को कमजोर कर दिया है। बस्तर के सात में से अधिकांश जिलों में नक्सल प्रभाव अब लगभग समाप्त हो चुका है। इस बदलाव की बयार में शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास के नए द्वार खुल रहे हैं। सीआरपीएफने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए एक अनोखी पहल शुरू की है। मोस्ट वांटेड नक्सली हिड़मा के गांव पूवर्ती में पहली बार 'गुरुकुल' नाम से शिक्षा केंद्र स्थापित किया गया है। पूवर्ती, टेकलगुड़ेम और सिलगेर जैसे गांव, जो कभी नक्सलियों का अड्डा हुआ करते थे, अब शिक्षा की रोशनी से जगमगा रहे हैं। इन तीन गुरुकुलों में अब तक 80 से अधिक आदिवासी बच्चे पढ़ाई से जुड़ चुके हैं। इन बच्चों को 'शिक्षादूत' शिक्षक पिछले एक साल से पढ़ा रहे हैं। पूर्व नक्सली इलाकों में गुरुकुल की स्थापना, बच्चे लौटे शिक्षा की ओरपहले इन इलाकों में सड़क जैसी बुनियादी सुविधाएं भी नहीं थीं, लेकिन 19 साल बाद विकास की रफ्तार ने इन गांवों को छू लिया है। पूवर्ती के अलावा कई बच्चे 100 किमी दूर कुआकोंडा के पोटाकेबिन स्कूल में रहकर पढ़ाई कर रहे हैं। सीआरपीएफ न केवल शिक्षा की व्यवस्था कर रही है, बल्कि बच्चों के लिए कॉपी-किताब, खेलकूद और अन्य जरूरी सामग्री भी उपलब्ध करा रही है। बच्चों के समग्र विकास के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन भी किया जा रहा है, जिससे उनमें आत्मविश्वास बढ़ रहा है। सुकमा के जिला शिक्षा अधिकारी जीआर मंडावी ने बताया कि पूवर्ती में एक नए स्कूल का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है।

अवैध शराब बेचते एक आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। जिले की पुलिस चौकी चिचोला, थाना छुरिया पुलिस ने अवैध रूप से शराब बेच रहे एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 19 पौवा अंग्रेजी शराब जब्त किया है। मामले में आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की गई है। पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा तथा पुलिस अनुविभागीय अधिकारी डोंगरगढ़ आशीष कुंजाम के मार्ग दर्शन में कानून व्यवस्था को बनाये रखने हेतू अवैध शराब परिवहन एवं बिक्री करने वालो पर पुलिस चौकी चिचोला द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है। दिनांक 05/06/2025 को पेट्रोलिंग दौरान मुखबीर से सुचना प्राप्त हुआ कि एक व्यक्ति अवैध रूप से पंजाब केसरी ढाबा महाराजपुर में अवैध शराब रखकर बिक्री कर रहा है अवैध धन अर्जित कर रहा है

डीएपी के बदले ग्रोमोर का उपयोग करने की सलाह

डीएपी लेने किसान सहकारी समितियों का लगा रहे चक्कर

- कांग्रेस ने खाद की कालाबाजारी होने का लगाया आरोप

रायपुर। संवाददाता

प्रदेश में मानूसन के दस्तक देने के साथ ही किसान यूरिया तथा डीएपी खाद के लिए सहकारी समितियों का चक्कर काट रहे हैं। केन्द्र सरकार द्वारा राज्य सरकार के कोटे में कटौती कर दी गई है। कृषि विभाग ने वैकल्पिक खाद का उपयोग करने को कहा है। इन खादों का आसमान छू रह है। जिसके कारण अब किसान परेशान हैं। मिली जानकारी के अनुसार

राज्य सरकार के पास डीएपी खाद का कोटा 10 लाख मीट्रिक टन निर्धारित किया गया था, जिसे अब 3 लाख मीट्रिक टन कर दिया गया है। वर्तमान इसका कीमत 1350 रूपए प्रति बोरी है। कृषि विभाग के वैकल्पिक खाद का उपयोग करने की सलाह दी है। सहकारी समितियों को ग्रोमोर उपलब्ध कराया जा रहा है। वर्तमान में पोटास, एनपीके खाद की मांग है। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ने कहा कि किसान डीएपी खाद के लिए चक्कर काट रहे हैं, उन्होंने आरोप लगाया कि धान उत्पादक राज्यों को हतोत्साहित करने के लिए यह प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि किसान समितियों का चक्कर लगा रहे है। चक्कर डीएपी की जगह इफको का एनपीके पकड़ाया जा रहा है। खरीफ का फसल की तैयारी किसान जोर शोर से कर रहे है सभी सहकारी समिति में खाद का भंडारण की बात सरकार कर रही है लेकिन हकीकत ऐसे कोसों दूर है।

फटाका फोड़ने से किया मना तो कर दी हत्या, आरोपी गिरफ्तार....

रायपुर/ संवाददाता

धमतरी के कोतवाली थानाक्षेत्र में फटाका फोड़ने से मना करने पर हत्या करने वाले तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। तीनों आरोपियों के विरुद्ध गंभीर धाराओं 103(1)3,5 बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर जेल भेजा गया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी गणेश माली पिता कल्याण माली उम्र 40 साकीन महिमासागर वार्ड (मैला गड्ढा) धमतरी द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराया की दिनांक 05/06/25 के रात्रि करीबन 11 बजे उनका छोटा भाई (मृतक) नरेश माली पिता कल्याण माली उम्र 36 वर्ष महिमासागर वार्ड(मैला गड्ढा)धमतरी अपने घर अंदर परिवार सहित सोया हुआ था,उसी समय आरोपी हेमंत, दिनेश, प्रदीप मोहल्ले में मृतक के घर के पास फटाका फोड़ रहे थे, फ टाका की आवाज सुनकर मृतक अपने घर से बाहर निकला और तीनों आरोपियों को फ टाका फोड़ने से मना करने लगा की कही दूसरे जगह जाकर फटाका फोड़ो मेरे घर में छोटे छोटे बच्चे है जो तेज आवाज से परेशान हो रहे है, इसी बात को लेकर मृतक और तीनों आरोपियों के बीच वाद विवाद होने पर मारपीट हुआ इसी बीच हेमंत उर्फ़ पांगडू ने अपने पास रखे चाकू से मृतक के सीने में बायीं ओर एक बार जोरदार वार किया जिससे मृतक वही पर गिर गया जिसे उसके परिजन लोग इलाज के लिए जिला अस्पताल लेकर गए,जहाँ डॉक्टर द्वारा रिफर करने पर डीसीएच हॉस्पिटल धमतरी लेकर गए, वहाँ चेक करने पर उसकी मृत्यु होना बताये। जिसकी रिपोर्ट पर थाना सिटीकोतवाली में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। घटना की सूचना लगते ही पुलिस अधीक्षक सूरज सिंह परिहार ने थाना प्रभारी कोतवाली को उक्त तीनों आरोपियों को तत्काल पकड़ने के निर्देश दिये थे। जिस पर कोतवाली की टीम द्वारा तकनीकी साक्ष्य एवं मुखबिर सूचना के आधार पर आरोपियों को छुपे अलग-अलग स्थानों से पकड़कर कड़ाई से पूछताछ करने पर अपराध करना स्वीकार किया एवं प्रयुक्त चाकू को गवाहों के समक्ष जप्त किया गया एवं तीनों आरोपी हेमंत, प्रदीप एवं दिनेश के विरुद्ध थाना सिटी कोतवाली में अपराध क्र0:- 137/25 धारा 103(1) 3,5 बीएनएस के तहत कार्यवाही कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

प्रदूषण फैला रहे फ्लाई ऐश वाहनों को रोका गया,नागरिकों में आक्रोश

रायपुर। नियमों की बेकद्री करने से बाज नहीं आ रहे फ्लाई ऐश वाहनों के पहियों को आखिरकार ब्रेक लग ही गया। सीतामणी इमलीडुग्गू क्षेत्र के लोगों व भिलाईखुर्द के भूविस्थापितों ने इस मामले में आगे बढक़र एक्शन लिया। जन स्वास्थ्य और हादसों के खतरे का तर्क देते हुए लोगों ने प्रदर्शन किया। उन्होंने गौमाता चौराहा पर ऐसी गाडियों को आगे नहीं बढने दिया। मानिकपुर परियोजना के विस्तारित क्षेत्र में बिजली घरों की फ्लाई ऐश डंपिंग किए जाने और इससे जन स्वास्थ्य का खतरा बढने से लोग नाराज हैं। लोगों का ऐतराज इस बात को लेकर रहा कि खुले तरीके से फ्लाई ऐश का परिवहन सीतामणी इमलीडुग्गू मार्ग से किया जा रहा है जबकि यह क्षेत्र घनी आबादी का है। सडक़ के दोनों तरफबस्ती है और हजारों की संख्या में लोग यहां निवासरत हैं। कई सार्वजनिक केंद्र भी यहां चल रहे हैं। ऐसे में भीड़भाड़ की स्थिति बनी रहती है। लोगों का कहना है कि इस रास्ते से होकर फ्लाई ऐश और कोयला सहित अन्य वाहनों का आवागमन हो रहा है। लोगों ने कहा कि डंपिंग इलाके में जिस तरह से फ्लाई ऐश डाली जा रही है उससे बहुत ज्यादा झंझट है। राख के कारण घरों का सामान और कपड़े बर्बाद हो रहे हैं। नियमों के अंतर्गत फ्लाई ऐश का परिवहन करने के लिए वाहनों को चारों तरफसे कव्हर्ड करना है ताकि हवा के संपर्क में आने से फ्लाई ऐश उड़े न और आसपास के क्षेत्र को प्रदूषित न करे।

बच्चों की मुस्कान ही हमारी सबसे बड़ी प्रेरणा है:श्रीमती राजवाड़े.....

- मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने किया 'सेवा भारतीय मातृ छाया शिशु गृह' का निरीक्षण
- तकनीकी और प्रशासनिक सहयोग प्रदान किया जाए ताकि बच्चों को बेहतर जीवनशैली मिल सके

रायपुर/ संवाददाता

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने बिलासपुर में स्थित गैर शासकीय संस्था सेवा भारतीय मातृ छाया शिशु गृह (विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी) का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने शिशु गृह में निवासरत बच्चों से आत्मीयता से मुलाकात की, उनका हालचाल जाना और संस्था द्वारा प्रदान की जा रही देखभाल सुविधाओं की जानकारी ली। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने बच्चों के साथ समय बिताया और कहा, इन मासूम चेहरों की मुस्कान ही हमारी सबसे बड़ी प्रेरणा है। ये बच्चे हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी हैं, और उनके सुरक्षित, स्वस्थ एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए राज्य सरकार पूर्णत: प्रतिबद्ध है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संस्था द्वारा बच्चों के संरक्षण, पोषण, स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा और पुनर्वास की दिशा में किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि दत्तक ग्रहण योग्य बच्चों के लिए कार्यरत ऐसी संस्थाएं समाज में सकारात्मक बदलाव की आधारशिला हैं। सेवा भारतीय मातृ छाया शिशु गृह, एक मान्यता प्राप्त विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी है, जो परित्यक्त, अनाथ और असहाय बच्चों को आश्रय, देखभाल और सुरक्षित गोदन प्रक्रिया के माध्यम से नया परिवार प्रदान करती है। संस्था में बच्चों की उम्र के अनुसार पोषण, शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़ी सुविधाएं मुहैया कराई जाती हैं। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ऐसी संस्थाओं को समय-समय पर तकनीकी और प्रशासनिक सहयोग प्रदान किया जाए ताकि बच्चों को बेहतर जीवनशैली मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि दत्तक ग्रहण प्रक्रिया को पारदर्शी, संवेदनशील और सरल बनाने के लिए राज्य सरकार लगातार प्रयासरत है। निरीक्षण के दौरान महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला स्तरीय अधिकारी, बाल संरक्षण इकाई के सदस्य एवं संस्था की संचालिका सहित कई गणमान्य उपस्थित थे। सभी ने मंत्री को संस्था की कार्यप्रणाली एवं वर्तमान स्थिति से अवगत कराया।

घोषणा क्रियान्वयन और परियोजना पर काम शुरु करने की मांग

भोंगापाल बुद्ध महोत्सव की अपार सफलता पर मुख्यमंत्री और विधानसभा अध्यक्ष का आभार

- मुख्यमंत्री और विधानसभा अध्यक्ष से आभार मुलाकात करेगी अंबेडकर वेलफेयर सोसाइटी
- वैज्ञानिक, पुरातात्विक सर्वेक्षण करने ए.एस.आई और स्लार्क को पत्र

रायपुर। संवाददाता

कोंडागांव जिले के सुदूर घने जंगलों में बसे भोंगापाल बुद्ध महोत्सव के गौरवशाली आयोजन की राष्ट्रीय सफलता पर डॉ. अंबेडकर वेलफेयर सोसाइटी ने

मुख्यमंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री एवं वर्तमान विधानसभा अध्यक्ष के प्रति आभार प्रकट करते हुए गहरी कृतज्ञता ज्ञापित की है। सोसाइटी ने मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणा के क्रियान्वयन पर शासन से जल्द काम शुरू करने की भी मांग की है। वहीं भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ए.एस.आई.) और राज्य स्तरीय पुरातत्व अनुसंधान एवं संस्कृति विभाग (स्लार्क) को इस क्षेत्र का व्यापक सर्वेक्षण कर विपुल पुरातात्विक सम्पदा का उत्खनन और गहन वैज्ञानिक अन्वेषण, अनुसंधान करने के लिए ए. डब्ल्यू. एस. पत्र भी लिखेगा। उल्लेखनीय है कि भोंगापाल बुद्ध महोत्सव के 1 जून 2025 को हुए ऐतिहासिक आयोजन में मिली सफलता में वे 35 हजार से अधिक लोग शामिल रहे हैं, जिनमे छत्तीसगढ़ के सभी जिलों के अलावा, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, बिहार, झारखंड और देश- विदेश से आए बौद्ध उपासक, उपासिकाएं,बौद्ध अनुयायी सहित सभी वर्गों और समाज के लोग चश्मदीद गवाह थे। इसमें जापान के सुप्रसिद्ध और प्रमुख बौद्ध भिक्खु भंदत आर्य नागार्जुन सुरई ससाई सहित देश-विदेश से आए 350 से अधिक बौद्ध भिक्खु और भिक्खुणियों ने भी अपनी गरिमामय में उपस्थिति से इस आयोजन को गौरवान्वित किया।

संपादकीय

देनदारी का बोझ

हरियाणा के पंचकुला में खड़ी कार में देहरादून के परिवार के सात सदस्य मृत पाए गए जिनमें मित्तल परिवार के दंपति, मां-बाप व तीन बच्चे बताए जा रहे हैं। स्थानीय पुलिस के साथ उत्तराखंड पुलिस व क्राइम ब्रांच जांच में जुट गए हैं। मगर प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का माना जा रहा है। बताया गया कि परिवार बागेर से लौट रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार इनमें से एक बेसुध ने अस्पताल जाते हुए कर्ज की बात बार-बार दोहराई जिसने बाद में दम तोड़ दिया। पूछताछ में देहरादून पुलिस को मिले मृतक के मित्र ने बताया कि मित्तल को व्यापार में घाटा हुआ था और उस पर सात-आठ करोड़ का कर्ज था। कर्ज अदायगी न करने के चलते बैंक उसका फ्लैट व कुछ कारें जब्त की चुकी थीं। वह इन दिनों कैब चला कर गुजर कर रहा था। गाड़ी में मिले सुसाइड नोट के विषय में पुलिस ने विस्तार से नहीं बताया। उधर केरल के वक्कोम में भी एक ही परिवार के चार सदस्यों की खुदकुशी का मामला सामने आया। बताया गया कि कर्ज के चलते माता-पिता व दो जवान बच्चे छत से लटक गए। घर से बरामद डायरी में कर्जदारों का ब्योरा मिला है। इस तरह की आत्महत्या की घटनाओं में तेजी आती जा रही है जिनमें अमूमन कर्ज की मोटी रकम चुकाने में सक्षम न रहने के कारण परिवार का मुखिया अपनी जिंदगी तो लेता ही है परिजनों को बकायेदारों व परिचितों के उलाहनों व जीवनयापन की दिक्कतों से बचाने के लिए यह निर्णय सामूहिक रूप से लिया जाता है। पहले भी लोग सामूहिक आत्महत्याएं करते रहे हैं। कुछ धार्मिक कारणों से, अंधविश्वास या जादू-टोने के चक्कर में चमत्कारों के भरोसे जीवन लीला खत्म करते थे जबकि कई इज्जत के नाम पर जहरीला पदार्थ खा कर या फंदे पर लटक कर सामूहिक रूप से मर जाते थे। कुछ लोग कर्ज, निजी लोन या अनाप-शनाप ब्याज न चुका पाने के कारण भयभीत होकर मौत को अंतिम शरण मान बैठते हैं। समाज के भौतिकतावादी होने के ये दुष्परिणाम कहे जा सकते हैं। व्यापार में घाटा, मुनाफे में कमी, धोखाधड़ी या गलत प्लानिंग के चलते करोड़ों की देनदारी का बोझ लोगों को मानसिक रूप से रुग्ण कर देता है। देश ही नहीं, बल्कि दुनिया भर में तमाम लोग अवसादग्रस्त हैं। असामान्य स्थितियों में वे संभल नहीं पाते। नकारात्मक विचारों के चलते जीवन-लीला समाप्त करने को ही अंतिम परिणति मान बैठते हैं। इस पर सरकारी तंत्र, विश्लेषकों, समाजविज्ञानियों और मनोविश्लेषकों को गंभीरतापूर्वक चिंतन करने की जरूरत है।

विषैली शराब से मौत का तांडव

वीरेन्द्र कुमार पैन्यूली

पिछले पांच सालों में जहरीली शराब पीने से पंजाब में 176 लोगों की मौतें हो चुकी हैं। अपंग होने वाले भी कम नहीं रहे। महिलाएं भी इन आंकड़ों में हैं। 29 जुलाई, 2020 को विषैली शराब से पंजाब में पहली मौत की खबर अमृतसर जिले के एक गांव से आई थी किंतु अगस्त तक अमृतसर, गुरुदासपुर और तरनतारन के तीन जिलों में मौतों का आंकड़ा 105 पहुंच गया था। तब विपक्षी दल शिरोमणि अकाली दल का आरोप था कि मंत्रियों और विधायकों के संरक्षण में राज्य में अवैध शराब का धंधा पनप रहा है। जवाब में तत्कालीन मुख्यमंत्री अमरेन्द्र सिंह ने याद दिलाया था कि 2012 व 2019 में ऐसी ही घटनाएं अकाली सरकार के दौरान हुई थीं। अब आप सरकार के कार्यकाल में भी दो बार जहरीली शराब पीने से मौत का तांडव हो चुका है। पहली बार का कांड संगरूर में हुआ। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान का यह गृह जिला है। उनके मंत्रिमंडल में दो अन्य मंत्री भी इसी जिले से आते हैं। मुख्यमंत्री के वहां पहुंचने पर गांव वालों का कहना था कि क्षेत्र में शराब का धंधा खुले आम चल रहा है। जहरीली शराब से मौतों का नवीनतम मामला अमृतसर के मजीठा का है, जहां जहरीली शराब पीने से पांच-छह गांवों के 27 लोगों की मौत हुई। मरने वालों में अधिकांश ईंट-भट्ठों और खेतों में काम करने वाले मजदूर थे। सोलह संदिग्ध अपराधियों की गिरफतारी भी हो चुकी है। इनमें दिल्ली और लुधियाना के व्यापारी भी हैं। जहरीले शराब कांडों में सबसे पहले ढूंढ़ उन व्यापारी या आपूर्तिकर्ताओं की ही होती है, जो एलकोहल आदि रसायनों को अवैध रूप से जहरीली शराब बनाने वालों को बेच देते हैं। 29 जुलाई, 2020 के विषैली शराब कांड में मिथनॉल के तीन ड्रम लुधियाना के एक पेंट दुकानदार से लिए गए थे। मजीठा में भी मिथनॉल का उपयोग हुआ था। मिथनॉल, ईथनॉल से सस्ता पड़ता है। उसे हल्का या डायल्यूट करके शराब बनाई जाती है। ज्यादा किक वाली बनाने के लिए उसमें न जाने क्या-क्या डाल दिया जाता है। अमृतसर के सांसद गुरुजीत सिंह औजला का इस कांड पर कहना है कि अवैध शराब और ड्रग्स के धंधेबाजों की आबकारी और पुलिस विभाग वालों से सांठगांठ है। मजीठा में शराब पुलिस चौकी से केवल 200 मीटर की दूरी पर बेची जा रही थी किंतु मजीठा कांड के बाद सामाजिक संदभरे में खास बात यह हुई है कि विभिन्न आलेखों और विश्लेषणों से ऐसा नैरेटिव उभारा गया है कि सरकार आम जन या आम पियक्कड़ के हित में सस्ती शराब उपलब्ध कराए तो जहरीली शराब कांडों की त्रासदी पर लगाम लगेगी। मजीठा कांड पर सांसद औजला का कहना था कि सरकार की शराब के दाम बढ़ा कर मंहगी करने की नीति के कारण ही गरीब सस्ती और नकली शराब पीने को मजबूर हैं। पिछले पांच सालों में पंजाब में जहरीली शराब पीने से 176 लोगों की मौत हुई हैं। शराब की ज्यादा दुकान खोलने और उनको महंगी करने के पीछे सरकारी तर्क है कि इससे लोग नकली और जहरीली शराब नहीं पियेंगे और उनके पास सही शराब पीने का विकल्प रहेगा। शराब जब महंगी होगी तो कम लोग पियेंगे परंतु हो यह रहा है कि शराब चाहे कितनी ही महंगी हो जाए, उसकी खपत कम नहीं हो पा रही है। पंजाब ही नहीं, देश की सभी राज्य सरकारें शराब बेच कर राजस्व को अपनी आय का प्रमुख स्रेत बनाए हुए हैं। सात-आठ प्रतिशत ही नहीं, कहीं-कहीं तो राज्यों के राजस्व में बीस प्रतिशत तक इसका अंश होता है। शराब संदर्भित विषय राज्यों के हैं। शराब से भारत में पांच लाख तीस हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का राजस्व प्राप्त होता है। राज्य सरकारें शराब के प्रसार को कम से कमतर करने की बजाय ज्यादा से ज्यादा सरकारी लाइसेंसप्राप्त शराब की दुकान खोलने की होड़ में हैं।

सशक्त, समृद्ध, आत्मनिर्भर और विकसित भारत निर्माण के लिए कार्य करते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

दीपक कुमार त्यागी

हमारे प्यारे देश भारत के आम जनमानस के साथ-साथ दुनिया भर के लोगों के बीच मे नरेन्द्र मोदी की छवि एक ऐसे सख्त प्रशासक, कुशल राजनेता की बन गई है, जिसके लिए देशहित सर्वोपरि है, इस छवि के दम पर ही नरेन्द्र मोदी देश में तीसरी बार प्रधानमंत्री पद पर आसीन हुए हैं और मोदी के नेतृत्व में चल रही केन्द्र सरकार को 9 जून 2025 को 11 वर्ष पूर्ण हो गये है। अपने इस 11 वर्ष के कार्यकाल के दौरान नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने बहुत सारे ऐसे कार्य कर के दिखाएं है, जिन्होंने इतिहास रचने का कार्य कर दिया है। नरेन्द्र मोदी ने बिना किसी के जोर दवाब में आये ऐतिहासिक कार्यों को अमलीजामा पहनाने का कार्य बखूबी करके दिखाया है। जिसके चलते ही देश-दुनिया में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की गिनती कुछ करके दिखाने वाली सरकार के रूप में होती है।

वैसे भी देखा जाए तो जिस वक्त नरेन्द्र मोदी ने गुजरात से आकर के 26 मई 2014 को दिल्ली के राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक भव्य समारोह में प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी, उस वक्त देश व दुनिया के बहुत सारे लोगों के मन में एक सवाल बार-बार कोंध रहा था कि आखिरकार लोकसभा के चुनाव प्रचार के दौरान नरेन्द्र मोदी ने जिस तरह से भारत को सशक्त, समृद्ध, आत्मनिर्भर और विकसित नव भारत के निर्माण करने का सपना आम जनमानस को दिखाया है, क्या यह सपना कभी पूरा हो पायेगा। लेकिन प्रधानमंत्री के रूप में नरेन्द्र मोदी इस सपने को धरातल पर उतारने के लिए अपने प्रथम कार्यकाल 26 मई 2014 से ही निरंतर कार्य कर रहे हैं, जिसके चलते ही देश के आम जनमानस ने मोदी के नेतृत्व में दूसरी व तीसरी बार सरकार बनाने का अवसर दिया था और मोदी ने 30 मई 2019 को दूसरी बार व 9 जून 2024 को तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। आम जनता की अदालत में 11 वर्ष बीतने के बाद भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता देश के अन्य सभी राजनेताओं पर भारी है। आम व खास दोनों वर्गों के लोग नरेन्द्र मोदी के विज़न व नीति से अभी भी प्रभावित नज़र आते हैं।

हाल ही में नरेन्द्र मोदी सरकार ने अपनी 11 वर्ष की विकास गाथा को 176 पेज की एक पुस्तिका में लिखकर जारी करने का कार्य किया है। जिसमें मोदी सरकार ने देश की दशा व दिशा बदलने की प्रमुख योजनाओं का जिक्र किया है। इसमें नरेन्द्र मोदी सरकार के कार्यकाल को सेवा, सुशासन व गरीब कल्याण के 11 वर्ष बताते हुए कहा गया है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में देश में मजबूत बुनियादी ढांचे के विकास से लेकर के, सामाजिक न्याय की योजनाएं, वंचितों की सेवाएं की योजनाएं, महिलाओं को सशक्त बनाने की योजनाएं, किसानों को उनका हक दिलाने की योजनाएं, देश के भविष्य युवाओं को अवसर देने की योजनाएं, देश की आंतरिक व बाह्य सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं को अमलीजामा पहनाया गया, जिनका ब्यौरा इस पुस्तिका में दिया गया है।

वैसे मोदी सरकार के कुछ कार्यों को देखें तो देश की आंतरिक व बाह्य सुरक्षा को सुदृढ़ करने के लिए मोदी सरकार ने बहुत काम किया है, मोदी सरकार ने देश के कुछ हिस्सों में दशकों से बेखौफहोकर के अपना राज चला रहे नक्सलियों की कमर तोड़ने का कार्य किया, जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद पर लगाम लगाने का कार्य किया है। आतंकियों के ख़िलाफ़ सीमा पार पाकिस्तान में घुसकर सर्जिकल स्ट्राइक व आपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया है। अनुच्छेद 370 को समाप्त करके जम्मू-कश्मीर के नागरिकों को उनका हक दिया है। देश में जातिगत जनगणना कराने के निर्णय, दशकों से लंबित महिला आरक्षण बिल आदि को मोदी सरकार के ऐतिहासिक निर्णय बताया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार मुख्य रूप से 14 बिंदुओं पर कार्य कर रही है, इसमें देश में गरीबों की सेवा वंचितों का सम्मान, किसानों का कल्याण सुनिश्चित करना, नारी शक्ति को मिला नया बल, भारत की अमृत पीढ़ी हो रही सशक्त, मध्यवर्ग का जीवन हुआ आसान, सभी के लिए सस्ती व सुलभ स्वास्थ्य सेवा, राष्ट्र प्रथम विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा, भारत को वैश्विक आर्थिक महाशक्ति बनाना, इज ऑफ डूइंग बिजनेस से कारोबार को लगे पंख, इंफ्रास्ट्रक्चर तेजी से हो रहा बेहतर, टेक्नोलॉजी से भारत को नई शक्ति, नॉर्थ ईस्ट बन रहा विकास का नया इंजन, विरासत व विकास, पर्यावरण एवं सतत विकास हैं। मोदी सरकार का लक्ष्य भारत को दुनिया की एक ताकतवर आर्थिक महाशक्ति बनाने का है, जिसके लिए वह निरंतर कार्य कर रही और उन कार्यों के दम से ही भारत आज विश्व में चौथे पायदान पर आ चुका है। मोदी सरकार का लक्ष्य है देश से ग़रीबी को खत्म करना, हाल ही में प्रकाशित विश्वबैंक की एक रिपोर्ट के अनुसार देश में अत्यधिक ग़रीबी में कमी आयी है, मोदी सरकार के प्रयासों से ग़रीबी रेखा से 27 करोड़ लोग पिछले 11 वर्ष में बाहर हुए हैं। मोदी सरकार सशक्त, समृद्ध, आत्मनिर्भर व विकसित भारत का निर्माण करने के लिए देश में सर्वांगीण विकास पर जोर दे रही है। किसानों, महिला, युवाओं व सामाजिक क्षेत्र, आर्थिक क्षेत्र व इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए महत्वपूर्ण कार्य कर रही है।

मोदी सरकार की प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जन धन योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजन, प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना आदि ने देश में धरातल पर बड़ा सकारात्मक बदलाव करने का कार्य किया है। मोदी सरकार के स्वच्छ भारत मिशन, जल जीवन मिशन, डिजिटल क्रांति, मेक इन इंडिया, जन औषधि केन्द्र, फसल के एमएसपी के द्वारा किसानों की आय की गारंटी, मखाना बोर्ड, जनजातियों का सशक्तिकरण-ग्राम समृद्धि, दालों में आत्मनिर्भरता के लिए मिशन चलाना, पीएम धन-धान्य कृषि योजना, ग्रामीण विद्युत आपूर्ति, किफायती यूरिया, भारत को पंख (उड़ान 2.0 की उड़ान और तेज हुई), विमानन क्षेत्र में नया युग, कश्मीर घाटी में बंदे भारत जम्मू-श्रीनगर रेल लाइन, चिनाब नदी पर विश्व का अजूबा रेलवे ब्रिज, विमानन क्षेत्र में एक नया युग, साइबर सुरक्षित भारत और आधार आईटी, प्रधानमंत्री विद्यालक्ष्मी योजना, प्रधानमंत्री ई ड्राइव आदि ने देशवासियों को जीवन बेहतर करने का कार्य किया है। मोदी सरकार के मिशन चंद्रयान ने दुनिया में भारत का अंतरिक्ष के क्षेत्र में डंका बजाने का कार्य किया है।

मोदी सरकार ने देश में सर्वांगीण विकास को तरजीह देते हुए विश्व स्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण पर भारी-भरकम रकम खर्च की है। देश में हाईवे व एक्सप्रेसवे का विश्वस्तरीय जाल बना देना मोदी सरकार की बहुत बड़ी उपलब्धि है। देश में बहुत सारे छोटे व बड़े एयरपोर्टों का निर्माण करके मोदी सरकार ने पूरे देश को चंद घंटों में जोड़ने का कार्य कर दिया है। रेलवे स्टेशन से लेकर के रेलवे नेटवर्क के विकास व आधुनिकीकरण का कार्य बड़े पैमाने पर कार्य चल रहा है, जो अच्छा संकेत है। देश में धार्मिक पर्यटन को नये आयाम देते हुए मोदी सरकार ने बहुत कार्य किये हैं, भव्य राम मंदिर का निर्माण, काशी-विश्वनाथ मंदिर कॉरिडोर इसकी एक कहानी है। वहीं स्टैचू ऑफयूनिटी, नया संसद भवन, भारत मंडपम्, वार मेमोरियल का निर्माण मोदी सरकार उपलब्धि है। मोदी सरकार में सौर ऊर्जा पर बड़े पैमाने पर कार्य चल रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विज़न से मोदी सरकार में देश में विकास के नित-नए आयाम स्थापित होते हुए धरातल पर स्पष्ट रूप से नज़र आ रहे हैं।

मीडिया की विश्वसनीयता पर उठते सवाल

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

मीडिया की विश्वसनीयता पर उठते सवालों के बीच आकाशवाणी और बाद में दूरदर्शन के शुरुआती वे दिन बरवस याद आ जाते हैं जब आकाशवाणी के नेशनल और प्रादेशिक समाचारों के प्रति आमजन के विश्वास को इसी से समझा जा सकता है कि चौराहों की चाय-पान की दुकानों पर खड़े होकर भी समाचार सुनने में किसीको कोई संकोच ना होकर गर्व महसूस होता था। आकाशवाणी के नेशनल समाचारों की बात हो तो सुबह 8 बजे और रातः पौने नो बजे के समाचार बुलेटिनों की बेसब्री से प्रतीक्षा होती थी तो प्रातःकालीन प्रादेशिक समाचार के साथ ही खासतौर से सायंकालीन सात बजे के प्रादेशिक समाचार को कोई भी प्रदेषवासी मिस नहीं करना चाहता था। आकाशवाणी और दूरदर्शन का यह स्वर्णकाल इस मायने में कहा जा सकता है कि सरकारी नियंत्रण में होने के बावजूद आमआदमी तो क्या पक्ष और विपक्ष के नेतागण भी समाचारों की विश्वसनीयता पर प्रष्न नहीं उठा पाते थे। होता तो यहां तक था कि आकाशवाणी के कार्यक्रमों से लोग अपनी घड़ियों को मिलाया करते थे। विश्वसनीयता का यह कोई आसान काम नहीं था पर उस समय के दिग्गज मीडियाकर्मियों ने अपनी मेहनत, लगन और निष्पक्षता से सींचने का काम किया और उसका परिणाम यह रहा कि उस समय के मीडिया दिग्गजों को समूचे समाज में चाहे वह राजनीतिक स्तर हो, ब्यूरोक्रेटिक स्तर हो या फिर आमजन सभी जगह सम्मान से देखा जाता था। यदि प्रादेशिक स्तर की बात की जाए तो आकाशवाणी जयपुर अजमेर के समाचार संपादक और बादमें दूरदर्शन जयपुर केन्द्र के समाचार एकांश के निदेशक मोहनराज सिंघवी जिन्हे मीडिया जगत में एमआर सिंघवी के नाम से जाना जाता रहा है की मेहनत, निष्पक्षता और मीडिया की स्वतंत्रता की पक्षधरता का ही परिणाम रहा कि मीडिया जगत में एमआर सिंघवी एक ब्राण्ड के नाम से पहचान बनाने में कामयाब रहे। पक्ष-विपक्ष के सभी नेता, समाज के सभी वर्गों के प्रतिनिधियों सहित आमजन में जिस तरह की छवि एमआर सिंघवी की बनी वह आजके मीडिया कर्मियों के लिए ईर्च्छा का कारण बन सकती है तो प्रेरणास्पद भी है। बात में इतना दम की क्या तो मुख्यमंत्री से लेकर मंत्रीमण्डल के सदस्यगण और क्या ब्यूरोक्रेसी के कर्ताधर्ता एमआर सिंघवी की बात को कमतर समझने की भूल भी नहीं कर सकते थे।

यह आज के समय में अविश्वसनीय कल्पना ही हो सकती है कि 90 के दशक में एमआर सिंघवी के आकाशवाणी जयपुर पिंकसिटी पेट्रोलपंप के पास स्थित आवास पर मिलनेवाले जरुरतमंद लोगों का जमावड़ा इस तरह से लगा रहता था जैसे किसी राजनेता के निवास पर लगा होता था। पीड़ित व्यक्ति के लिए एमआर सिंघवी एक सहारा रहे हैं। इसका कारण भी यह रहा कि यदि काम जायज है और हितकारक है तो सिंघवी जी आने वाले व्यक्ति के सामने ही संबंधित मंत्री से लेकर अधिकारी को फोन करने में किसी तरह का संकोच नहीं करते थे और आने वाले व्यक्ति की आंखें एहसान से बोझिल हो जाती तो काम भी आसानी से हो जाता था। खासबात यह कि बिना जानपहचान भी कोई अपने दुखदर्द को लेकर पहुंच जाता था तो सहयोग करने में कोई कोरकसर नहीं छोड़ते। मैं स्वयं इसका उदाहरण हूं। किसी दिन आकाशवाणी के अनुबंध पर समाचार अनुभाग के लिए लिखित परीक्षा हुई और एक दिन एकाएक घर पर आकाशवाणी से अनुबंध का पत्र आ गया। डिप्लोमा भले ही पत्रकारिता में कर लिया हो पर अनुभव के मामलें में शून्य होने के बावजूद जिस तरह से सिंघवी जी ने मेरे जैसे को तराशा उसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। मजे की बात यह कि एमआर सिंघवी पोलियों से ग्रसित होने के कारण चलने फिरने में असुविधा के बावजूद किसी के भी सहयोग के लिए उनके साथ जाने को तैयार हो जाते। विकलांगों के लिए उन्होंने संघर्ष करने के साथ ही स्थानीय से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक के खेलों का आयोजन, संयोजन व प्रोत्साहन दिया। देवेन्द्र झाझड़िया तो एक उदाहरण मात्र है जिन्हें विश्वपटल पर पहचान सिंघवी जी की प्रेरणा-प्रोत्साहन और सहयोग से ही संभव हो सका। आकाशवाणी का यह वह जमाना था जब टेलीप्रिंटर और टेलीफोन ही प्रमुख माध्यम होते थे। सूचना एवं जनसंपर्क निदेशालय से समाचारों की डाक आती थी वहीं प्रादेशिक समाचारों में समूचे प्रदेष के प्रमुख समाचारों का समावेश महत्वपूर्ण होता था। ऐसे में लगभग प्रतिदिन समाचार संपादक होने के बावजूद बिना किसी संकोच के फोन से समाचार लेने व स्वयं लिखने तक में संकोच नहीं करने के कारण ही मीडिया जगत में पहचान और विश्वसनीयता बनी। बुलेटिन में खबरों के चयन से लेकर प्रसारण तक तनावरहित वातावरण में काम करना और नए लोगों को प्रोत्साहित करना यही तो सिंघवी जी की पहचान रही। हिम्मत यह कि जयपुर दूरदर्शन निदेशक समाचार रहते हुए तत्कालीन केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री स्व. गिरिजा व्यास के जयपुर में एक ब्यूटीपार्लर के उद्घाटन के समाचार प्रसारित करने के दबाव के बावजूद मीडिया मानदंडों के विरुद्ध बताते हुए प्रसारित नहीं करना सिंघवी जैसे बिड़ला ही कर सकते हैं। इसी तरह से तत्कालीन मुख्यमंत्री जगन्नाथ पहाडिया के पिताजी के देहावसन के समाचार प्रसारण के लिए लाख दबाव के बावजूद विनम्रता से नीति विरुद्ध जाकर समाचार प्रसारित नहीं करने का निर्णय कोई सिंघवी जैसा ही ले सकता है। आज तो केन्द्रीय मंत्री वो भी स्वयं का माईबाप यानी कि स्वयं के विभाग का हो तो उसकी खबर तो क्या आगे पीछे सेवा सुश्रुषा में ही लगे रहने में गर्व महसूस करते हैं। इसीलिए कहा जाता है कि एमआर सिंघवी कोई ऐसे ही नहीं बनता, कोई ऐसे ही राजनेताओं, पक्ष विपक्ष के छोटे से लेकर बड़े नेताओं, ब्यूरोक्रेट्स सभी के लिए सम्मानजनक अपनी कार्यशैली, निष्पक्षता, निष्ठा और मेहनत से ही बना पाता है। प्रदेश का संभवतः कोई छोटा-बड़ा नेता या अधिकारी ऐसा नहीं होगा जो एमआर सिंघवी के नाम, पहचान और उनकी कार्यशैली का कायल नहीं होगा। इतने विस्तृत केनवास पर पहचान और विश्वसनीयता कोई ऐसे नहीं बन जाती बल्कि यह ईमानदारी, निस्वार्थता और सहायता और सहयोग की भावना के कारण ही हो पाता है। यही सिंघवी जी की पूंजी मानी जा सकती है। समाचार में समाचारत्व है तो उसे बिना किसी पक्षपात के स्थान मिलता वहीं तत्कालीन राज्यपाल जोगेन्द्र सिंह द्वारा रिकार्ड वाइस ओवर प्रसारित कराने के दबाव के बावजूद स्तरीय नहीं होने से प्रसारित नहीं करने का साहस कोई एमआर सिंघवी ही कर सकता है।

यह सब इसलिए कि आज मीडिया की विश्वसनीयता सवालों के घेरे में खड़ी हो गई है। खासतौर से इलेक्ट्रोनिक चैनलों की विश्वसनीयता पूरी तरह से दाव पर लग चुकी है। चैनलों पर बेसिरफेर की चर्चा और आरोप-प्रत्यारोप का मंच बनना आज आम हो गया है। रही सही कसर सोशियल मीडिया ने कर दी है जहां अपलोड सामग्री भ्रम पैदा करने का काम करने के साथ ही उसकी विश्वसनीयता पर भी सवाल खड़ी कर देती है यही कारण है कि चैनलों पर समाचार प्रसारित होते समय वीडियो की विश्वसनीयता पर स्वयं चैनल द्वारा सवाल खड़े किया जाना आम है। होना तो यह चाहिए कि जब तक समाचार संपादक स्वयं संतुष्ट नहीं हो जाए तब तक केवल टीआरपी के चक्कर में ऐसे समाचार व वीडियो को प्रसारित ही नहीं करना चाहिएं। क्योंकि यह सवाल दर्शकों के विश्वास को बनाए रखने का हो जाता है। एक समय था जब कोई भी बड़ी घटना हो जाती थी तो लोग आकाशवाणी के आगामी समाचार बुलेटिन पर कान लगाकर पुष्टि होने पर ही विश्वास करते थे। आज अपुष्ट समाचार आम होते जा रहे हैं।

आकाशवाणी के पुराने दिनों और एमआर सिंघवी जैसे व्यक्तित्व व संपादकों के बहाने आज मीडिया की विश्वसनीयता का वहीं पुराना युग देखने का प्रयास किया जाना चाहिए। प्रसारित समाचार की विश्वसनीयता पर कोई सवाल उठता है तो फिर यह मीडिया के लिए किसी चुनौती से कम नहीं होना चाहिए। मीडिया जगत को आज एमआर सिंघवी जैसे मीडिया दिग्गज की आवश्यकता महसूस हो रही है ताकि मीडिया चाहे इलेक्ट्रोनिक हो या प्रिंट उस पर प्रसारित या प्रकाशित समाचार को वेदवाक्य की तरह विश्वसनीय माना जाए। बदलते हालात में आज यह आवश्यकता अधिक हो गई है क्योंकि समाज आज भ्रमित अधिक हो रहा है तो मीडिया और सोशियल मीडिया ने विश्वसनीयता को ही प्रष्नों के घेरे में खड़ा कर दिया है। समाचार पर प्रश्न उठने की कोई संभावना ही नहीं होनी चाहिए।

हरी मिर्च

के अनगिनत फायदे

वजन कंट्रोल करने से लेकर ग्लोइंग स्किन तक

मेटाबॉलिज्म तेज करता है

हरी मिर्च में कैप्सेसिन नाम का कंपाउंड पाया जाता है। जो मेटाबॉलिज्म को तेज करता है, इससे कैलोरी जल्द बर्न होती है, साथ ही ये बॉडी टेम्प्रेचर को भी मेटेंन रखती है।

ब्लड शुगर कंट्रोल करने में मददगार

हरी मिर्च के सेवन से ब्लड शुगर कंट्रोल में रहता है। यह डायबिटीज के मरीजों के लिए रामबण है।

दर्द निवारक

हरी मिर्च में मौजूद कैप्सेसिन नाम का कंपाउंड दर्द निवारक के रूप में काम करता है। इसके सेवन से अर्थराइटिस जैसे दर्द से आराम मिलता है।

पाचन तंत्र के लिए फायदेमंद

हरी मिर्च में पाया जाने वाला कैप्सेसिन नाम का कंपाउंड आंतों में हेल्दी बैक्टीरिया को बढ़ावा देता है, जिससे पाचन तंत्र स्वस्थ रहता है।

स्किन के लिए फायदेमंद

हरी मिर्च में विटमिन-सी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। इसमें बीटा-कैरोटीन के गुण भी होते हैं, जिसके सेवन से स्किन पर ग्लो आता है और झुर्रियां कम होती है।

अल्सर में मिलती है राहत

रोजाना एक हरी मिर्च के सेवन से करने से अल्सर की समस्या नहीं होती। इससे मुंह और पेट के अल्सर से राहत मिलती है, क्योंकि हरी मिर्च शरीर के टेम्प्रेटर को मेंटेन रखती है।

भूख नियंत्रित करने में कारगर

जिस खाने में आप हरी मिर्च का इस्तेमाल करते हैं, इससे भूख आसानी से नियंत्रित किया जा सकता है । जिससे वजन कम होने में भी मदद मिल सकती है।

वास्तु शास्त्र में इन जानवरों की मूर्तियों रखना शुभ..

वास्तु शास्त्र का महत्व हमारे जीवन में काफी ज्यादा बताया गया है। जब आप वास्तु शास्त्र में बताये गए नियमों का पालन सही तरीके से करते हैं तो ऐसे में इसके जो परिणाम होते हैं वे बेहद ही शुभ और समृद्ध होते हैं। वहीं, जब इन नियमों को नजरअंदाज किया जाता है तो इसके परिणाम भी नकारात्मक हो सकते हैं। हमारे वास्तु शास्त्र में कुछ ऐसे जानवरों की मूर्तियों का भी जिक्र किया गया है जिन्हें अगर आप अपने घर पर लाकर रख देते हैं तो आपको जीवन में कभी भी सुख और समृद्धि की कमी नहीं होती है। जब आप इन मूर्तियों को घर पर लाकर रखते हैं तो सभी तरह के वास्तु दोष भी दूर हो जाते हैं। चलिए इन मूर्तियों के बारे में जानते हैं।

हाथी की मूर्ति

वास्तु शास्त्र के अनुसार आपको अपने घर पर हाथी की मूर्ति जरूर लाकर रखनी चाहिए। जब आप ऐसा करते हैं तो आपके जीवन में पैसों और वैभव का आना शुरू हो जाता है। जब आप घर पर हाथी की मूर्ति लाकर रखते हैं तो आपका जीवन खुशियों से भर जाता है।

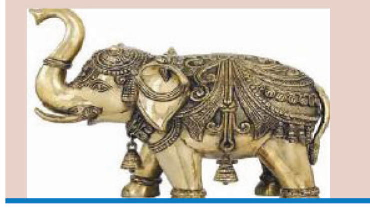

घर पर रखें हंसों का जोड़ा

अगर आप अपनी शादीशुदा जिंदगी में खुशहाली चाहते हैं,तो ऐसे में आपको घर पर हंसों के जोड़े की मूर्ति लेकर रख देनी चाहिए। आप इन्हें अपने बेडरूम में रख सकते हैं। कमरे में रखी ये मूर्ति आपके रिश्ते में मिठास लेकर आते हैं।

ऊंट की मूर्ति रखना शुभ

अगर आप जीवन में सफलता पाना चाहते हैं तो ऐसे में आपको अपने घर पर ऊंट की मूर्ति को लाकर रख देना चाहिए। जब आप ऐसा करते हैं तो आपके जीवन में सफलता के सभी रास्ते खुल जाते हैं।

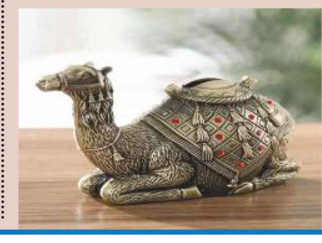

कामधेनु गाय की मूर्ति

वास्तु शास्त्र के अनुसार अगर आप अपने जीवन में सुख और समिद्धि चाहते हैं तो ऐसे में आपको घर पर कामधेनु गाय की मूर्ति को लाकर रख देना चाहिए। मान्यताओं के अनुसार इसमें सभी देवी और देवताओं का वास होता है। सुख और समृद्धि के लिए आपको अपने घर पर पीतल की कामधेनु गाय की मूर्ति को लाकर उत्तर-पूर्व दिशा में रख देना चाहिए।

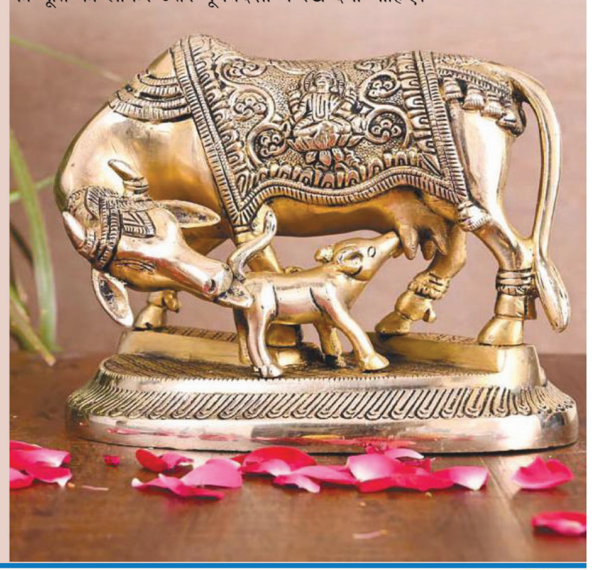

सुबह होते ही किचन में रहती है अफरा-तफरी ?

सुबह-सुबह घंटों किचन में मेहनत करने के बाद भी अगर आप टिफिन सही समय पर तैयार नहीं कर पा रहीं या ब्रेकफास्ट करने में देरी हो जा रही है तो समझिए कि आपको एक बेहतर प्लान की जरूरत है। दरअसल, प्री प्लानिंग आपके समय को बचाने में काफी फायदेमंद होता है। आप अगर सुबह उठने से पहले रात में ही ब्रेकफास्ट और टिफिन के लिए कुछ तैयारियां कर लें, तो सुबह वक्त भी कम लगेगा और परेशान भी कम होंगी। यहां हम बता रहे हैं कि सुबह सुबह समय की बचत करने के लिए आप क्या कर सकती हैं।

टिफिन के लिए रात में कर लें 5 तैयारियां

बर्तन रखें तैयार

रात में ही अगर आप बर्तनों को साफ सुथरा कर सही जगह पर रख लें तो आपको सुबह सुबह काम करने में आसानी हो जाएगी। इसके लिए आप रात में सिंक साफ कर इसमें साबुन वाला पानी भर दें और इसमें काम में इस्तेमाल होने वाले बर्तनों को एक एक कर रखते जाएं। इस तरह काम खत्म होने के बाद बड़ी ही आसानी से आप बर्तनों को क्लीन कर पाएंगे।

सब्जी काट कर रखें

अगर आप रात के वक्त ही कुछ तैयारियां कर लें और सब्जियों को काटकर फ्रिज में रख लें तो सुबह के वक्त काफी समय बच जाएगा और आप कम समय में ही खाना बना लेंगी। आप चाहें तो सब्जियों को काटकर फ्रिजर में स्टोर कर सकती हैं और इन्हें ही सुबह सुबह इस्तेमाल भी कर सकती हैं।

आलू उबालें

अगर आपको सुबह कम समय मिलता है तो आप रात में आलू को उबाल-कर फ्रिज में रख दें। सुबह के वक्त इन आलुओं को छिल लें और पराठे या सब्जी आदि बना लें। यह स्वादिष्ट भी बढ़ाएगा और बनाने में वक्त भी कम लगेगा।

मेन्यू करें तैयार

आप रात के वक्त ही घर वालों के साथ डिस्कस कर लें और सुबह व टिफिन के लिए मेन्यू तैयार कर लें। इस तरह आपको सुबह उठते ही दिमाग को व्यस्त करने की जरूरत नहीं होगी और आप सलीके से सब काम पूरा क सकेंगी।

टेबल रखें तैयार

सुबह के वक्त की हड़बड़ी से बचने के लिए आप रात में ही टेबल पर जरूरी बर्तनों जैसे प्लेट, ग्लास, जग, कटोरी आदि रख लें। इस तरह सुबह सुबह आपको सर्व करने में दिक्कत नहीं आएगी और आप बिना सामान ढूंडे सर्व कर पाएंगे। रात में ही टेबल पर टिफिन बॉक्स को भी रख लें।

गमले में अमरूद का पेड़ कैसे लगाएं

बाजार से अमरूद या बिही लाकर तो सभी लोग खाना पसंद करते हैं, लेकिन जरा सोचिए, कितना अच्छा होगा, जब आपको अपने घर पर ही अपने हांथों से ताजा अमरूद तोड़कर खाने को मिलें। बहुत से लोग इस फ्रूट प्लांट को लगाना तो चाहते हैं, लेकिन वह इस सस्पेंस में रहते हैं, कि अमरूद गमले में उगेगा या नहीं, क्योंकि अन्य पौधों की अपेक्षा इसे अधिक जगह की आवश्यकता होती है। लेकिन इस लेख में हम आपको घर पर गमले या ग्रो बैग में अमरूद का पौधा उगाने से संबंधित सारी जानकारी देने जा रहे हैं। बीज से लगाये गए अमरूद के पौधे में फल लगने में 8 साल का समय भी लग सकता है, लेकिन इसकी अपेक्षा यदि आप नर्सरी से अमरूद का छोटा पौधा लाकर, या लेयरिंग से अमरूद उगाते हैं, तो उसमें फल 1-5 साल में आ सकते हैं, इसलिए इसे बीज की अपेक्षा अन्य विधियों से लगाना जाना अच्छा होता है। गमले में अमरूद फल का पेड़ कब और कैसे लगाएं/उगाएं, लगाने की विधि, तथा अमरूद के पेड़ की देखभाल कैसे करें? इसके अलावा पेड़ कितने दिन में फल देता है?

पौधा उगाने के लिए गमला

मीठे फल अमरूद को आप साल भर किसी भी समय उगा सकते हैं, लेकिन इन्हें लगाने का सबसे अच्छा समय, बरसात का मौसम (Rainy Season) का होता है। यह एक उष्णकटिबंधीय पेड़ है, जो 5-6 मीटर तक ऊंचा हो सकता है, लेकिन यदि ठीक से प्रूनिंग की जाए, तो यह 3 मीटर की ऊंचाई से अधिक नहीं हो पाता है। हालाँकि इसकी कुछ बौनी किस्में भी होती हैं, जो घर पर लगाने के लिए एकदम सही होती हैं।

इसे आप अपने घर की छत पर 21×21 या 24 x 24 इंच (W x H) की साइज के ड्रेनेज होल्स युक्त पॉट या कंटेनरों में लगा सकते हैं।

पौधा के लिए मिट्टी

यह पौधा अच्छी जल निकासी वाली, जैविक पदार्थों से युक्त मिट्टी में उगना पसंद करते हैं। आप इसे गमले में लगाने के लिए मिट्टी में गोबर की खाद, वर्मीकम्पोस्ट, कम्पोस्ट खाद मिलाकर उपजाऊ तथा रेत, पर्लाइट या वर्मीक्यूलाइट मिलाकर मिट्टी के ड्रेनेज में सुधार कर सकते हैं।

बीज से अमरूद का पौधा उगाने की विधि निम्न है:-

अमरूद के अच्छी क्वालिटी के बीज खरीदें।

अब बीजों को लगभग 2 सप्ताह के लिए गीले टिशु पेपर में रखें, यह उन्हें अंकुरित होने में मदद करेगा।

अब इन बीजों को सीड स्टार्टर मिक्स से भरे पॉट या सीडलिंग ट्रे में लगाएं।

इसके बाद ट्रे को हल्के स्प्रे से पानी दें, तथा गर्म स्थान पर रखें।

18 डिग्री सेल्सियस के आदर्श तापमान पर, बीजों को अंकुरित होने में 2 से 8 सप्ताह का समय लग सकता है।

जब पौधे 4 से 6 इंच लंबाई के हो जाते हैं, तब आप इन्हें गार्डन की मिट्टी या बड़े गमले या ग्रो बैग में ट्रांसप्लांट कर सकते हैं।

रबड़ी खीर

अगर आपको मीठा खाना पसंद है तो रबड़ी खीर का लुत्फ उठाना चाहिए। इस स्वीट डिश का नाम सुनकर ही मुंह में पानी आ जाता है। इस डिश को बनाना बेहद आसान है और खीर में रबड़ी का इस्तेमाल कर इसे बनाया जाता है। यह स्वीट डिश आपके मुंह में मिठास घोल देगा। अगर आप घर पर रबड़ी खीर बनाना चाहते हैं तो इसकी रेसिपी बेहद सिंपल है। आइए जानते हैं इसे बनाने की आसान विधि...

आवश्यक सामग्री

चावल - 1/4 कप, दूध - 2 लीटर, चीनी - 1/2 कप देसी घी - 1 टेबलस्पून, काजू - 10-12 पीस, बादाम - 10-12 पीस, पिस्ता - 10-12 पीस, इलायची - 1/4 टीस्पून

बनाने की विधि

- सबसे पहले एक कड़ाही लें और उसमें एक लीटर दूध डालकर मीडियम आंच पर रख दें।
- जब तक दूध गर्म हो रहा है, तब तक चावल को धोकर कम से कम आधे घंटे के लिए पानी में भिगो दें।
- दूध को गर्म करते समय चलाते रहें और जब-जब उबाल आए, उसमें जो मलाई पड़े उसे कड़ाही के किनारे चिपकाते जाएं।
- दूध तब तक उबालें, जब तक वह आधा न हो जाए। अब जो मलाई किनारे पर इकट्ठा की है, उसे दूध में डालकर अच्छी तरह मिला लें।
- आपके खीर के लिए रबड़ी बनकर तैयार हो गई है। इस रबड़ी को एक बर्तन में निकालकर रख दें।
- अब एक दूसरी कड़ाही लें और उसमें 1 टेबलस्पून देसी घी डालकर गर्म करें।
- जब घी पिघलने लगे तो उसमें काजू और बादाम डालकर अच्छे से रोस् करें। इसके बाद इसे एक प्लेट में निकाल लें और ठंडा कर छोटे-छोटे पीस काट लें।
- अब कड़ाही को अच्छी तरह पोछ लें और उसमें बचा हुआ एक लीटर दूध डालकर उबाल लें।
- जब दूध उबलना शुरू हो जाए तो भिगोए हुए चावल को दरदरा पीसकर उसमें डाल दें।
- खीर को चलाते हुए पकने दें और करीब 3 से 4 मिनट बाद उसमें काजू और बादाम डाल दें।
- जब चावल अच्छी तरह से पक जाए तो उसमें चीनी और इलायची पाउडर डालकर मिक्स करें।
- अब जब खीर बनकर तैयार हो गई है तो उसमें रबड़ी डालकर 2-3 मिनट तक अच्छी तरह पकाएं और गैस बंद कर दें।
- अब टेस्टी रबड़ी खीर बनकर तैयार हो गई है। इसे सर्व करें
- इसे आप 1 घंटे तक फ्रीज में रखकर ठंडी-ठंडी रबड़ी खीर का स्वाद भी ले सकते हैं।

सच्चे प्यार और क्रश में क्या होता है अंतर

प्यार और क्रश, दो ऐसी भावनाएं हैं जिसमें एक, जीवन को खुशियों से भर सकता है, जबकि दूसरा, निराशा, उदासी या डिप्रेशन की वजह बन सकता है। ऐसे में अगर हम प्यार और क्रश के बीच के अंतर को सही उम्र में बेहतर तरीके से समझ लें, तो सही निर्णय लेने में हमें आसानी होती है। हम बात कर रहे हैं कि उन लक्षणों के बारे में , जिसकी मदद से यह समझा जा सकता है कि आपके बीच सच्चा प्यार है या ये केवल कुछ दिनों को क्रश है। इसे समझने के लिए हम यहां 10 ऐसे संकेत लेकर आए हैं, जिसकी मदद से आप अपने सच्चे प्यार को पहचान सकते हैं और किसी के प्रति अपनी गलत भावनाओं की उलझनों से खुद को निकाल सकते हैं।

✓जब आप किसी के प्यार में होते हैं तो आप उन्हें अपना फुल अटेंशन देते हैं। यही नहीं, आपको नजरें मिलाने या घंटों बात करने में परेशानी नहीं होती।

✓जब आप साथ होते हैं तो आप उसे बेहतर रूप में समझने के लिए हर टॉपिक पर बात करते हैं। उनके परिवार, बैकग्राउंड, उनकी अपब्रिंगिंग आदि पर आप गहराई से अकेले में भी सोचने लगते हैं।

✓जब आप प्यार में होते हैं तो जीवन की कई सीरियस प्लानिंग आप साथ में कर लेते हैं। यह बॉन्डिंग आपके बीच नेचुरली आता है और आप कुछ ऐसे इनवेस्टमेंट में भी इनवॉल्व हो जाते हैं जो शायद लाइफ पार्टनर करते हैं।

✓आप दोनों एक दूसरे के साथ काफी ओपन हो जाते हैं। उनकी हर परेशानियां आपको खुद की लगती है और आपकी हर परेशानियां उनकी हो जाती है। आप इन्हें बड़ी आसानी से दूर करने का प्रयास करने लगते हैं।

✓आपको रिलेशनशिप में बैकअप की जरूरत महसूस नहीं होती, इसलिए आप क्रश की तरह, एक साथ कई लोगों को डेट करना नहीं चाहते। आपकी भावनाएं क्रश की तुलना में कहीं अधिक गहरी होती चली जाती है।

✓आप अपने परिवार के साथ उसे मिलाना चाहते हैं। यही नहीं, आप अपने परिवार, दोस्तों के बीच भी उनके साथ कंफर्टेबल होते हैं।

✓आपके बीच एक पावरफुल लव कैमेस्ट्री होती है जिसमें फिजिकल से अधिक इमोशनल वेव हावी होता है। आपके लिए फीलिंग्स और केयर सबसे अधिक मायने रखती है।

✓आपको पता होता है कि आप दोनों के लिए प्यार का क्या अर्थ है। आप एक दूसरे के साथ हर वक्त रह सकते हैं। आपके बीच डीप फीलिंग होती है।

✓अगर आपके बीच किसी बात को लेकर मतभेद है तो यह आपके बीच लड़ाई या रिश्ते टूटने की वजह नहीं बनता। आप एक दूसरे के डिस-एग्रीमेंट को आसानी से स्वीकारते हैं। इन सब के बावजूद आप इमोशनल बहाव में नहीं आते। आपके इमोशन में ठहराव होता है।

दुबलेपन से हैं परेशान, तो इन फूड्स को बनाएं डाइट का हिस्सा

चावल (Rice)

चावल तेजी से वजन बढ़ाने में मदद कर सकता है। इसमें कैलोरी की मात्रा अधिक होती है। सबसे अच्छी बात यह है कि इसे पकाना आसान है और इसे किसी भी सब्जी के साथ मिलाया जा सकता है। अपने चावल में कुछ करी या बीन्स भी मिला सकते हैं।

अखरोट (Walnut)

अखरोट में हेल्दी फैट्स होते हैं। जो मांसपेशियों के लिए फायदेमंद होते हैं। आप इसे नाश्ते के रूप में खा सकते हैं। चाहें तो आप बादाम, काजू भी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

मीट खाएं (eat meat)

वजन बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं, तो प्रोटीन युक्स फूड्स का सेवन करें। अंडे, मछली और मीट को डाइट में शामिल करें। इसमें प्रोटीन भरपूर मात्रा में पाया जाता है।

दूध (Milk)

पोषक तत्वों से भरपूर दूध सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है। यह वजन बढ़ाने के लिए शानदार ऑप्शन है। इसमें कैल्शियम, प्रोटीन, कार्ब्स आदि पाए जाते हैं, जो मांसपेशियों के निर्माण में सहायक है। यह आपकी हड्डियों और दांतों को भी मजबूत बनाता है।

खाने में कैलोरी की मात्रा बढ़ाएं

डाइट में उच्च कैलोरी वाले स्नैक्स शामिल करें। इसके लिए पनीर स्टिक, मिल्क शेक, मफिन, सूखे मेवे, दही आदि हेल्दी ऑप्शन है।

गार्डन में बीज से लॉन घास कैसे उगाएं

अगर आपके पास एक लॉन गार्डन है और आप उसके चारों ओर हरियाली लगाकर उसकी सुन्दरता बढ़ाना चाहते हैं, तो गार्डन में घास उगाने का विचार सबसे अच्छा है, जो आपके लॉन गार्डन की खूबसूरती को दोगुना कर देगा। आप अपने गार्डन में लॉन घास को बीज से उगा सकते हैं जो कि बहुत ही आसान है, इसके अतिरिक्त आप अपने नये गार्डन में एक सुन्दर परिदृश्य जोड़ने के लिए भी पेड़-पौधों के चारों ओर सजावटी घास उगा सकते हैं। इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे कि आप अपने होम गार्डन, लॉन गार्डन या घर के गमलों में घास कैसे उगा सकते हैं।

अच्छे किस्म के बीज चुनें

अपने गार्डन क्षेत्र के आस-पास के वातावरण तथा जलवायु के अनुसार बीज लगाने के लिए लॉन घास के बीज का चयन करें। मार्केट में कई तरह की लॉन ग्रासेस उपलब्ध हैं जिन्हें आप अपनी पसंद के अनुसार अपने लॉन गार्डन में उगा सकते हैं। उच्च गुणवत्ता तथा अच्छी अंकुरण दर वाले लॉन ग्रास सीड्स खरीदें।

आवश्यक मिट्टी :

लॉन ग्रास सीड्स तथा पौधे (घास) संकुचित मिट्टी में अच्छी तरह नहीं उगते, इनके लिए 6.0-7.0 के मध्य ph मान वाली मिट्टी आदर्श होती हैं। बहुत रेतीली मिट्टी या भारी, संकुचित मिट्टी आपके लॉन गार्डन के समग्र स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती हैं इसीलिए घास के बीज लगाने तथा सफलतापूर्वक बीज अंकुरण के लिए जैविक खाद युक्त बेहतर जलनिकासी व वायु परिसंचरण वाली दोमट मिट्टी का उपयोग करना चाहिए।

बीज लगाने के लिए जगह तैयार करें

गार्डन के चुने हुए स्थान को खरपतवार मुक्त बनाएं, इसके लिए आप हैण्ड वीडर, 3 फिंगर कल्टीवेटर या अन्य गार्डनिंग टूल्स की मदद ले सकते हैं। अब किसी फावड़े, ट्रॉवेल या खुरपे की मदद से उस जगह पर लगभग 2-3 इंच की गहराई तक खुदाई कर मिट्टी को ढीला करें।

यदि आपके पास एक बड़ा लॉन एरिया है, तो उसमें घास के बीज लगाने तथा सफलतापूर्वक बीज अंकुरण के लिए कम से कम 3-5 इंच मिट्टी की खुदाई कर उसे ढीला करें।

मिट्टी के बड़े हिस्सों को बारीक तोड़ लें और मिट्टी की उर्वरा शक्ति को बढ़ाने के लिए जैविक खाद, वर्मी कम्पोस्ट, प्रोम खाद इत्यादि के साथ मिट्टी को अच्छे से मिलाएं।

अब लॉन एरिया को समतल बनाने के लिए मिट्टी को रेक करें, ताकि पानी देते समय या बारिश के समय गार्डन में जलभराव न हो। मिट्टी रेक करने के लिए आप 3 फिंगर कल्टीवेटर का उपयोग कर सकते हैं।

अब बीज लगाने से पहले लॉन गार्डन की मिट्टी में पानी का छिड़काव करें, ताकि बीज अंकुरण की गति बढ़ जाए और जड़ विकसित होने के लिए पर्याप्त नमी प्राप्त हो सके।

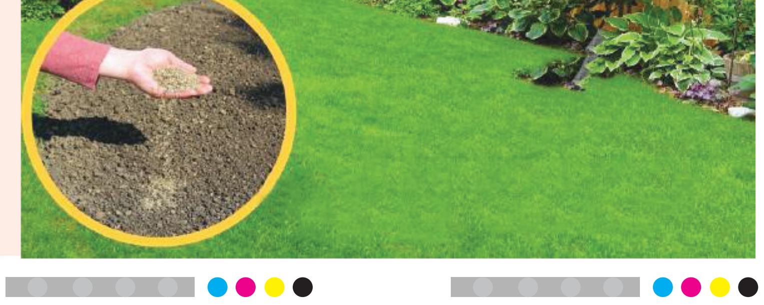

संक्षिप्त समाचार

अल्काटेल ने भारत में अपने बहुप्रतीक्षित वी3 सीरीज़ की लन्चिंग की घोषणा की

रायपुर (समय दर्शन)। फ्रांस की जानी-मानी टेक्नोलजी ब्रांड अल्काटेल ने भारत में अपने बहुप्रतीक्षित वी3 सीरीज़ की लन्चिंग की घोषणा की है। इस सीरीज़ में तीन नए स्मार्टफ़ोन शामिल हैं वी3 अल्ट्रा, वी3 प्रो और वी3 क्लासिक, जिन्हें खास तौर पर भारत के युवाओं के लिए बनाया गया है। ये स्मार्टफ़ोन भारत में पहली बार एनएक्सटीपेपर डिस्प्ले तकनीक के साथ आए हैं, जो डिस्प्ले टेक्नोलजी की दुनिया में एक बड़ी उपलब्धि है। लन्च पर बात करते हुए अतुल विवेक, चीफ बिजनेस अफ़िसर, नेक्स्टसेल इंडिया ने कहा अल्काटेल को गर्व है कि हम भारत में पहली बार पेटेंटेड एनएक्सटीपेपर डिस्प्ले तकनीक लेकर आ रहे हैं। इससे इनोवेशन, यूज़र कंफर्ट और बेहतर प्रोडक्टिविटी मिलती है। ये लन्च स्मार्टफ़ोन यूज़ करने का तरीका बदल देगा, चाहे पढ़ना हो, बनाना हो या फिर यादगार पल कैप्चर करना। हम ऐसे डिवाइसेस लेकर आ रहे हैं जो परफ़र्मेंस और डिजाइन में तो बेहतरीन हैं ही, साथ ही यूज़र की सेहत और उनकी सहूलियत का भी पूरा ध्यान रखते हैं। अंश राठी, चीफ अपरेटिंग अफ़िसर, नेक्स्टसेल इंडिया ने कहा भारत में अपनी मौजूदगी बढ़ाते हुए हम पूरी तरह 'मेक इन इंडिया' विजन के साथ काम कर रहे हैं। अपनी मैन्युफैक्चरिंग यहीं लोकल करने से हम सप्लाई चेन को और बेहतर बना पाएंगे, क्वालिटी कंट्रोल मजबूत करेंगे और भारत की बढ़ती टेक्नोलजी इंडस्ट्री में अहम योगदान देंगे। ये इन्वेस्टमेंट हमारी लन्ग-टर्म प्लानिंग का हिस्सा है ताकि भारतीय यूज़र्स को बेहतरीन क्वालिटी और सुलभ टेक्नोलजी मिल सके।

परिवार नियोजन और आधुनिक गर्भनिरोधकों पर जागरूकता बढ़ाने के लिए इंफ्लुएंसर्स और विशेषज्ञ एक मंच पर एकत्रित

रायपुर (समय दर्शन)। सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स, मीडिया प्रतिनिधियों, सामुदायिक रेडियो स्टेशनों, सरकारी प्रतिनिधियों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने ऑनलाइन क्षेत्रीय चर्चा: परिवार नियोजन और आधुनिक गर्भनिरोधन पर बातचीत को आगे बढ़ानाए में भाग लिया। यह एक सक्रिय और संवादात्मक कार्यशाला थी, जिसका उद्देश्य परिवार नियोजन (एफ़पी) से जुड़े जन चर्चा को सशक्त बनाना और जनजागरूकता बढ़ाना था। इस कार्यशाला ने तकनीकी विशेषज्ञों और कंटेंट क्रिएटर्स के बीच चर्चा और सहयोग को प्रोत्साहित किया, जिससे परिवार नियोजन के बारे में फैली गलत धारणाओं को दूर किया जा सके और सटीक जानकारी का व्यापक प्रसार हो सके।

ग्लोबल हेल्थ स्ट्रेटेजीज़ (जीएचएस) द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में झारखंड और छत्तीसगढ़ से 32 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इनमें सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर, पत्रकार, सामुदायिक रेडियो स्टेशन, प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ तथा सरकारी प्रतिनिधि शामिल थे। इन सभी का साझा उद्देश्य यह था कि सार्वजनिक स्वास्थ्य और सामाजिक विकास के एक अहम पक्ष के रूप में परिवार नियोजन पर सूचित और समृद्ध चर्चा को बढ़ावा दिया जा सके।

डॉ. खेमराज सोनवानी, स्टेट नोडल ऑफिसर - कंट्रोल एंड डिमांड सेंटर. छत्तीसगढ़ ने भारत के परिवार नियोजन के दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला। साथ ही, एफ़पी2030 प्रतिबद्धता के तहत, समानता, युवाओं की भागीदारी और गुणवत्तापूर्ण देखभाल पर प्राथमिकता दी गई, ताकि हर व्यक्ति और दंपति को उनकी जरूरत के अनुसार गर्भनिरोधक तरीका उपलब्ध हो सके।

डॉ. बीनू कुशवाह, जो कि एसएसएमसी, रीवा में प्रसूति और स्त्री रोग विभाग की प्रोफेसर हैं, ने सामाजिक-सांस्कृतिक चुनौतियों पर प्रकाश डाला, जो विशेष रूप से महिलाओं और युवाओं के लिए परिवार नियोजन को अपनाने में बाधा बनती हैं।

डॉ. अर्चना कुमारी, प्रसूति और स्त्री रोग विशेषज्ञ, राजेंद्र इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, रांची, ने भारत सरकार द्वारा प्रदान किए गए विकल्पों की विस्तृत जानकारी दी, जिसमें इंजेक्टेबल्स, इम्प्लांट, गर्भनिरोधक गोलियाँ, कंडोम, आईयूडी आदि शामिल हैं। उन्होंने यह भी जोर दिया कि परिवार नियोजन न केवल अनचाही गर्भावस्था को रोकने का एक तरीका है, बल्कि यह असुरक्षित गर्भपात से भी बचाव करता है, जो मातृ मृत्यु का एक प्रमुख कारण बन सकता है।

हालांकि इस क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है, फिर भी कई समुदायों में गलत जानकारी और सामाजिक रोक अब भी परिवार नियोजन (एफ़पी) सेवाओं तक पहुँच को बाधित करते हैं। परिवार नियोजन महिलाओं के सशक्तिकरण, लैंगिक समानता और सतत विकास का एक महत्वपूर्ण आधार बना हुआ है। इस कार्यशाला में इन मिथकों को दूर करने, अधिकार-आधारित दृष्टिकोण को बढ़ावा देने और यह उजागर करने की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया गया कि परिवार नियोजन व्यक्तिगत कल्याण और राष्ट्रीय प्रगति में किस प्रकार योगदान देता है।

पत्रकारिता पर हमला : गरियाबंद के पितईबंद अवैध रेत खदान में पत्रकारों पर जानलेवा हमला, माफिया राज का खुला खेल

गरियाबंद (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में रेत माफियाओं के आतंक ने एक बार फिर लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर हमला बोल दिया है। पितईबंद की अवैध रेत खदान (पैरी नदी) में सोमवार को खनन की खबर का खुलासा करने पहुंचे पत्रकारों पर खदान संचालक के गुर्गों ने न केवल हमला किया, बल्कि उन्हें बुरी तरह पीटा और उनका पत्रकारिता से जुड़ा सारा सामान छीन लिया।

मिली जानकारी अनुसार न्यूज 18 के वरिष्ठ पत्रकार शेख इमरान मेमन, ज़ी न्यूज़ के संवाददाता थानेश्वर साहू, जितेंद्र सिन्हा और अन्य मीडिया कर्मी मौके पर कवरेज के लिए पहुंचे थे। वहां उन्होंने अवैध रेत खनन और परिवहन करते वाहनों को देखा और इसकी जानकारी तत्काल जिला खनिज अधिकारी को दी। लेकिन प्रशासनिक अमला मौके पर नहीं पहुंचा और

कुछ ही देर में वहां पहुंचे खदान माफिया के 7-8 गुर्गों ने स्थिति भयावह बना दी।

कैमरा और पहचान पत्र छीनकर की गई मारपीट- साक्ष्य एकत्र कर रहे पत्रकारों से गुर्गों ने पहले तीखी बहस की, फिर कैमरे और पहचान पत्र छीन लिए। इसके बाद उन्होंने पत्रकारों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। जान बचाने के लिए पत्रकार खेतों और खलिहानों में जाकर छिपे। लेकिन गुर्गे बाइक और स्कूटी से उनका पीछा करते रहे, जिससे पूरे इलाके में दहशत फैल गई।

वीडियो संदेश से प्रशासन हरकत में- हमले के तुरंत बाद पत्रकार शेख इमरान मेमन ने एक वीडियो संदेश प्रशासनिक और मीडिया ग्रुप में साझा किया, जिसमें घटना की पूरी जानकारी दी गई। वीडियो सामने आते ही कलेक्टर भगवान सिंह ने तत्काल एसडीएम को मौके पर रवाना किया। वहीं एडिशनल एसपी जितेंद्र चंद्राकर ने राजिम पुलिस को तत्काल एक्शन लेने का निर्देश दिया।

जांच जारी, लेकिन उठते हैं गंभीर सवाल- फिलहाल पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच चुकी है और मामले की जांच शुरू हो गई है। हालांकि इस घटना ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं —

क्या प्रशासन अवैध खनन में मौन समर्थन दे रहा है?-

जब पत्रकार सुरक्षित नहीं, तो आम जनता का क्या हाल होगा?

क्या यह हमला लोकतंत्र की आवाज़ को दबाने की कोशिश नहीं है?

समाप्ति नहीं, चेतावनी है यह हमला- यह घटना महज एक हमला नहीं, बल्कि पत्रकारिता की स्वतंत्रता पर एक सीधा वार है। रेत माफिया और खनिज विभाग की मिलीभगत की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। यदि इस घटना पर कठोर कार्रवाई नहीं हुई, तो यह माफिया कल किसी भी आवाज़ को कुचलने से नहीं चूकेगा।

नौकरी लगाने के नाम पर अलग अलग लोगों से लाखों रुपए लेकर धोखाधड़ी करने वाले फरार आरोपी को किया गिरफ्तार थाना शिवरीनारायण पुलिस की कार्यवाही

आरोपी द्वारा बिलासपुर नगर पालिका निगम में जोन कमीशनर के पद में नौकरी लगवाने के नाम से लिया गया था रुपया

आरोपी मंसाराम आशिकर उम्र 56 साल निवासी मुड़पार थाना शिवरीनारायण

प्रकरण में पूर्व में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर भेजा जा चुका है न्यायिक रिमांड पर

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। मामले जा विवरण इस प्रकार है कि आरोपियों के द्वारा नौकरी लगाने के नाम पर आवेदक अच्छे कुमार आशिकर निवासी मुड़पार एवं अन्य लोगो से 25,25,399 रू /- पच्चीस लाख पच्चीस हजार तीन सौ निनान्बे रूपये का ठगी करना पाये जाने से जांच पर से दिनांक 04.01.2025 को अपराध क्रमांक 05/25 धारा 420, 467,468,201,34 भादवि कायम कर विवेचना कार्यवाही में लिया गया।

धोखाधड़ी जैसे प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा श्री विजय कुमार पाण्डेय (भापुसे) के निर्देशन में एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री उमेश कुमार कश्यप एवं एसडीओपी चांपा श्री यदुमणी सिदार के कुशल मार्गदर्शन थाना शिवरीनारायण पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपी मंसाराम आशिकर निवासी मुड़पार थाना शिवरीनारायण को पकड़ा जिसको घटना के संबंध में पूछताछ करने पर आरोपी के विरुद्ध अपराध सबूत पाए जाने आरोपी विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

उपरोक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी शिवरीनारायण निरीक्षक भास्कर शर्मा, प्रआर विजय निराला थाना शिवरीनारायण का सराहनीय योगदान रहा।

किसानों को खाद- बीज़ लेने में न हो कोई दिक्कत - कलेक्टर

समितियों में पर्याप्त मात्रा में खाद -बीज़ भण्डारण के निर्देश

बलौदाबाजार/समय दर्शन)। कलेक्टर दीपक सोनी ने सोमवार को कृषि,सहकारिता एवं अन्य सम्बंधित विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर जिले में खाद - बीज़ की उपलब्धता की समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिये कि सभी सहकारी समितियों में पर्याप्त मात्रा में खाद व बीज़ का भण्डारण सुनिश्चित करें, खाद - बीज़ लेने में किसानों को कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए। कलेक्टर ने कहा कि सभी समितियों में मांग के अनुसार उर्वरक व बीज़ भण्डारण सुनिश्चित करने के के लिए राज्य कार्यालय को मांग पत्र प्रेषित करें। जिन समितियो मे अधिक मांग है वहां प्राथमिकता के आधार पर खाद -बीज़ का भण्डारण कराएं। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन खाद बीज़ की उपलब्धता एवं वितरण रिपोर्ट ले और जिन समितियों में कमी है वहां आपसी समन्वय से पूरा कराएं। उन्होंने उप पंजीयक सहकारिता को निर्देशित किया कि खाद -बीज़ उपलब्धता के सम्बन्ध में कृषि, विपणन, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक एवं अन्य सम्बंधित विभाग के अधिकारियों के साथ प्रतिदिन बैठक करें और खाद -बीज़ का वितरण सुगमता से कराएं। सभी समितियों में उर्वरक व बीज़ की उपलब्धता की सूची प्रतिदिन चस्पा करें ताकि किसानों को समिति में उपलब्ध खाद बीज़ की जानकारी मिल सके। उप संचालक कृषि दीपक कुमार नायक ने बताया कि जिले में खरीफसीजन 2025 के लिए रासायनिक उर्वरकों का लक्ष्य 91772 मेट्रिक टन है जिसके विरूद्ध अब तक 37867 मेट्रिक टन रासायनिक उर्वरकों का भण्डारण किया गया है। अब तक सहकारी समितियों द्वारा 19397 मेट्रिक टन एवं निजी प्रतिष्ठिनो द्वारा 3643 मेट्रिक टन कुल 23040 मेट्रिक टन का वितरण किसानों को किया गया। सहकारी समितियों में 8345 मेट्रिक टन एवं निजी 6482 मेट्रिक टन कुल 14827 मेट्रिक टन उर्वरक शेष है इसी तरह कुल बीज मांग 37760 क्विंटल के विरुद्ध कुल भण्डारण 24072 क्विंटल एवं 18963.20 क्विंटल बीज का वितरण किया गया है। शेष बीज की मात्रा 5108.80 क्विंटल है। जिले में खाद एवं बीज का भण्डारण एवं उठाव की स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

आरटीई के तहत अन्य स्कूल में प्रवेश दिलाने अभिभावक ने दिया आवेदन

गांव के बीच संचालित मुर्गी फर्म को हटाने ग्रामीणों ने जनदर्शन में लगाई गुहार

जनदर्शन में आज 160 आवेदन प्राप्त हुए

दुर्ग/समय दर्शन। जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार आज अपर कलेक्टर श्री विरेन्द्र सिंह ने साप्ताहिक जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंचे जनसामान्य लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। जनदर्शन कार्यक्रम में संयुक्त कलेक्टर श्रीमती सिल्ली थॉमस एवं श्री हितेश पिस्दा भी उपस्थित थे। उन्होंने जनदर्शन में पहुंचे सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान एवं निराकरण करने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने को कहा। जनदर्शन में अवैध कब्जा, आवासीय पट्टा, प्रधानमंत्री आवास, भूमि सीमांकन कराने, आर्थिक सहायता राशि दिलाने सहित विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से संबंधित आज 160 आवेदन प्राप्त हुए।

पोलसाय पारा दुर्ग निवासी एक अभिभावक ने आरटीई (शिक्षा का अधिकार अधिनियम) के तहत अपने पुत्र को दूसरे स्कूल में प्रवेश दिलाने के लिए आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि उनका पुत्र पहले

ड्रीम इंडिया स्कूल, सिंधी कॉलोनी में आरटीई के तहत पढ़ाई कर रहा था, लेकिन स्कूल बंद हो जाने के कारण अब उसका भविष्य अंधकारमय हो गया है। अभिभावक ने कहा कि उनकी आर्थिक स्थिति इतनी मजबूत नहीं है कि वे किसी अन्य निजी स्कूल में शुल्क देकर बच्चे का दाखिला करवा सकें। पुत्र को घर के समीप आरटीई के तहत किसी अन्य प्राइवेट इंग्लिश मीडियम स्कूल में दाखिला दिलाने गुहार लगाई। इस पर अपर कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने कहा।

अहिवारा के वार्डवासियों ने नगर पालिका परिषद के वार्ड क्रमांक 15 बानबरद क्षेत्र में हो रहे अवैध कब्जे की शिकायत की। उनका कहना है कि कुछ लोगों ने करीब 52 एकड़ शासकीय भूमि पर कब्जा कर लिया है, जिसे लीज पर दिया गया था, लेकिन अब बिना किसी वैधानिक प्रक्रिया के उस भूमि पर अवैध कब्जा कर लिया गया है। इस शिकायत पर अपर कलेक्टर ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी अहिवारा को स्थल निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

वहीं ग्राम थनौद वार्ड क्रमांक 08 के निवासियों ने गांव के बीच संचालित मुर्गी फर्म को स्थानांतरित करने की मांग की। उन्होंने बताया कि फर्म से लगातार दुर्गंध फैलती है, जो बरसात के दिनों में और अधिक बढ़ जाती है। इससे मक्खियों की भरमार हो जाती है और बर्ड फ्लू जैसी गंभीर बीमारियों के फैलने का खतरा बना रहता है। फर्म गांव के एक जमींदार का होने के कारण ग्रामीण खुलकर विरोध नहीं कर पा रहे हैं। इस पर अपर कलेक्टर ने एसडीओ दुर्ग को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने ली साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक

शासकीय भूमि पर अवैध कब्जाधारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश, शिक्षा सत्र प्रारंभ होने के पहले स्कूल और छात्रावासों के मरम्मत पूर्ण करने के निर्देश

21 जून योग दिवस के आयोजन के संबंध में आवश्यक तैयारियां करने दिए निर्देश

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)/ कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक लेकर लंबित प्रकरण एवं विभिन्न विभागीय कार्यों की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कलेक्टर ने जिले में शासकीय भूमि पर अवैध कब्जाधारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करते हुए एसडीएम एवं तहसीलदारों को निर्देशित कर अभियान चलाकर अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया तत्काल शुरू करने कहा। बैठक में कलेक्टर ने 21 जून को आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को गरिमामय एवं प्रभावी ढंग से मनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस आयोजन में जनभागीदारी सुनिश्चित हो तथा आम नागरिकों में योग के प्रति जागरूकता बढ़े। उन्होंने आयोजन स्थल, प्रशिक्षक, प्रचार-प्रसार एवं अन्य योग दिवस संबंधी सभी

तैयारियां समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कृषि विभाग को निर्देश दिए कि वे धान के स्थान पर अन्य लाभकारी फसलों को अपनाने के लिए किसानों को प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि फसल विविधीकरण से मिट्टी की गुणवत्ता, जल संरक्षण और आय में वृद्धि संभव है। उन्होंने धान के बदले अन्य लाभकारी फसल लेने हेतु कार्यशाला आयोजित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने पीएम आवास योजना में आ रही समस्याओं की गहन समीक्षा करते हुए समयबद्ध समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पात्र हितग्राहियों को योजना का पूर्ण लाभ समय पर मिले, यह सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर ने आगामी शिक्षा सत्र प्रारंभ होने के पहले सभी स्कूलों, छात्रावासों की मरम्मत एवं जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने निर्देश दिए।

कलेक्टर ने शासकीय कार्यों में लंबे समय से अनुपस्थित रहने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों की सूची प्रस्तुत करने के निर्देश देते हुए कहा कि लापरवाही बरतने वालों पर नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने शिवरीनारायण क्षेत्र में घाटों की सफाई सुनिश्चित करने और खाली पड़े स्थानों पर वृक्षारोपण अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण में जनसहभागिता महत्वपूर्ण है। बैठक में कलेक्टर ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत सभी अधिकारियों को वृक्ष लगाने हेतु प्रेरित किया और जल संरक्षण की दिशा में विभागीय योजनाओं को प्रभावी रूप से क्रियान्वित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने बैठक में डायवर्सन के प्रकरण, नक्शा बटांकन की जानकारी, विवादित खाता विभाजन, विवादित नामांतरण, अविवादित नामांतरण, सीमांकन, आरबीसी 6-4 के प्रकरण की जानकारी ली एवं समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वामित्व योजना, सिकलसेल सर्वे, आयुष्मान कार्ड, केसीसी, ई-ऑफिस, फार्मर रजिस्ट्री, अनुकम्पा नियुक्ति की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री गोकुल रावटे, अपर कलेक्टर श्री ज्ञानेन्द्र सिंह ठाकुर, सर्व एसडीएम सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

खबर-खास

फर्जी डिप्टी कलेक्टर और स्टेनो बनकर कलेक्ट्रेट में घुसपैठ करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

कवर्धा (समय दर्शन)। कलेक्ट्रेट में 8 जून की रात करीब 9:30 बजे कलेक्ट्रेट कवर्धा डिप्टी कलेक्टर, स्टेनो व वाहन चालक के रूप में जिला कार्यालय में घुसपैठ करने वाले तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर अपराध दर्ज कर लिया है और आगे की जांच में जुटी हुई है। मुख्य द्वार पर तैनात सुरक्षा गार्ड की सूचना मिलते ही कवर्धा पुलिस की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और तीनों संदिग्धों को हिरासत में लेकर थाना ले आई और पूछताछ की गई। इस दौरान आरोपियों की पहचान 1. सम्मी ठाकुर पिता कोमल सिंह ठाकुर, निवासी भिलाई, जिला दुर्ग दृ (फर्जी डिप्टी कलेक्टर) 2. शुभलाल राजपूत पिता देवी सिंह राजपूत, निवासी पटेवा, थाना घुमका, जिला राजनांदगांव दृ (ड्राइवर) 3. दुर्गेश सिंह राजपूत पिता लाल सिंह राजपूत, निवासी खैरबना कला, थाना कवर्धा (फर्जी स्टेनो) के रूप में हुई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट हुआ कि तीनों का किसी भी प्रकार से शासकीय सेवा या पद से कोई संबंध नहीं है। इन्होंने जिला कार्यालय में अपने आप को प्रशासनिक अधिकारी बताकर गुमराह किया तथा अधिकारियों और कर्मचारियों को भ्रमित करने का प्रयास किया। उक्त कृत्य से प्रशासनिक व्यवस्था में अवांछित हस्तक्षेप और जनता को भ्रमित करने की साजिश की पुष्टि हुई है। इस घटना की रिपोर्ट सहायक जिला नाजीर अनमोल शुक्ला द्वारा थाना कवर्धा में दर्ज कराई गई। पुलिस द्वारा त्वरित संज्ञान लेकर अपराध क्रमांक 248/2025 अंतर्गत धारा 319 (2) भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत मामला पंजीबद्ध कर सभी तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। कबीरधाम पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि यदि कोई व्यक्ति शासकीय पदाधिकारी होने का झूठा दावा करता है या संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त पाया जाता है तो तत्काल पुलिस को सूचित करें।

जिले मे युक्तियुक्तकरण मे गड़बड़ झाला : समान दोषी तीन बीईओ कार्यवाही सिर्फ एक पर ही क्यों..? मैनपुर बीईओ महेश राम पटेल व फिंगेश्वर रामेंद्र कुमार जोशी बीईओ कों निलंबित करने की उठी माँग

कलेक्टर को गुमराह कर अपने चहेते बीईओ कों बचाने का षडयंत्र

गरियाबंद (समय दर्शन)। गरियाबंद जिले मे युक्तियुक्त करण के तहत अतिशेष शिक्षकों की सूची ऐसी बनाई की चुनिंदा शिक्षकों कों लाभ देने सीनियर शिक्षकों कों अतिशेष बना दिया।अतिशेष शिक्षकों की गलत जानकारी देकर पदस्थापना और काउंसिलिंग मे गड़बड़ी करने वाले जिले के तीन विकासखंड के बीईओ जिनमें छुरा किशन लाल मतावले,मैनपुर महेश राम पटेल,फिंगेश्वर से रामेन्द्र कुमार जोशी ने अपने चहेते बीआरसीसी कों अतिशेष सूची से बचाने गलत सूची बना कर जिला स्तरीय युक्तियुक्तकरण समिति कों प्रेषित किया जिसमें छुरा विकासखंड शिक्षा अधिकारी किशनलाल मतावाले कों निलंबित करने का प्रस्ताव कलेक्टर ने सचिव स्कूल शिक्षा कों भेजा है।दूसरा ब्लॉक मैनपुर बीईओ महेश राम पटेल ने ब्लॉक के कई व्याख्याताओं कों अतिशेष की सूची मे डाल दिया था जिसे कलेक्टर ने अतिशेष सूची से हटा कर इनके करतूत कों मिटाया तो नहीं पर कम करने का प्रयास किया है। महेश पटेल ने मैनपुर ब्लॉक की रिक्त संस्थाओं की जानकारी मे तथ्यों कों छुपा कर भरे हूये प्राथमिक शाला गोढयारी कों दो बार रिक्त दिखाया जिसके चलते छुरा ब्लॉक के दो सहायक शिक्षकों ने काउंसिलिंग मे उक्त शालाओं का चयन कर लिया।जब चयनित शिक्षकों ने प्राथमिक शाला गोढयारी मे कार्यभार ग्रहण करने पहुंचे तो पाया की प्राथमिक शाला गोढयारी मे पूर्व से दो शिक्षक पदस्थ है, जिनमें एक ने जॉइनिंग कर ली दूसरे ने जॉइनिंग ना कर वास्तविकता से ष्ठश्वह्र कार्यालय कों अवगत कराया आनन फानन मे अपने चहेते क्क्ष्वह्र महेश राम पटेल के कृत्यों पर पर्दा डाल कर बचाने उक्त शिक्षक गजेश्वर साहू की पदस्थापना आदेश संशोधित कर वापस छुरा ब्लॉक मे पदस्थ कर दिया वहीं उक्त शाला काउंसिलिंग मे नहीं दिखाया गया था जिसे सेटिंग के तहत छुरा ब्लॉक मे पदस्थ किया गया इस प्रकरण मे अब जिला शिक्षा अधिकारी की भूमिका भी आरोपों के घेरे मे आती दिख रही सोचनीय तथ्य यह है की अतिशेष शिक्षकों की सूची मे हेरफेर का आरोप तीन बीईओ छुरा,मैनपुर,फिंगेश्वर पर है तो कार्यवाही सिर्फ एक पर ही क्यों जितनी बड़ी गड़बड़ी छुरा बीईओ मतावले ने किया है उससे कहीं ज्यादा गड़बड़ मैनपुर के प्रभारी बीईओ महेश राम पटेल और फिंगेश्वर बीईओ रामेंद्र कुमार जोशी ने किया है निलंबन कार्यवाही होनी है तो समान दोष पर तीनों कों निलंबित किया जाए।

वहीं फिंगेश्वर ब्लॉक के ऋक्र के हाईस्कूल जिनका उन्नयन 2009-10 मे हुआ है जहा सेटअप मे 1 प्राचार्य व 6 व्याख्याता का पद स्वीकृत है वहा से एक-एक व्याख्याता कों अतिशेष बनाया गया है 1-5 सेटअप मानकर जो सेटअप के विरुद्ध हटाया गया जो गलत है। बालक पूर्व मा शा राजिम मे दर्ज संख्या 110 है जिसमें शासन के युक्तियुक्तकरण नियमानुसार दो अतिशेष होने चाहिये किसी कों बचाने के लिये केवल एक शिक्षक कों अतिशेष किया गया है।

गरियाबंद कलेक्टर को गुमराह करता शिक्षा विभाग,,,,,,,,गरियाबंद मे नवपदस्थ कलेक्टर भगवान सिंह उईके जो सीधे सरल सहज है उन्हें शिक्षा विभाग मे बैठे शातिर किस्म के लोग लगातार गुमराह कर रहे है और एक तथ्य यह की युक्तियुक्त करण के सारे आदेश जिला शिक्षा अधिकारी के हस्ताक्षर से जारी हों रहे तो कुछ गड़बड़ी पर पर्दा डालने वाले आदेश को कलेक्टर साहब को गुमराह कर करा लिया गया जिनमें पहले अतिशेष की सूची मे डाले शिक्षकों को अतिशेष से हटाने वाला आदेश है देखा जा सकता है।

कोपरा स्वास्थ्य केंद्र में आरएचओ पूनम सिन्हा ने अकेले कराए एक घंटे में दो सुरक्षित प्रसव, जच्चा-बच्चा स्वस्थ

गरियाबंद (समय दर्शन)। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कोपरा में रविवार तड़के रात्रिकालीन ड्यूटी पर तैनात महिला ग्रामीण स्वास्थ्य अधिकारी श्रीमती पूनम सिन्हा ने एक घंटे के भीतर दो गर्भवती महिलाओं का सुरक्षित और सफल सामान्य प्रसव अकेले संपन्न कराया। दोनों नवजात शिशु एवं माताएं पूरी तरह स्वस्थ हैं।इस पर प्रसूतियों के परिजनों ने आरएचओ पूनम सिन्हा का आभार जताया।गौरतलब है कि पूनम सिन्हा पूर्व में भी कई जोखिमभरे व जटिल प्रसवों को सफलतापूर्वक संभाल चुकी हैं।कोपरा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का क्रिटिकल डिलीवरी मामलों को नार्मल डिलीवरी में बदलने का एक अच्छा रिकॉर्ड रहा है, जो यहां की चिकित्सा सेवाओं की दक्षता, अनुभव और संवेदनशीलता को दर्शाता है। सफल प्रसव और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए स्थानीय नागरिकों व स्वास्थ्य विभाग ने आरएचओ पूनम सिन्हा की सेवा भावना, कार्यकुशलता और निष्ठा की सराहना की है। उल्लेखनीय है कि पहला मामला ग्राम सुरसाबांधा की 23 वर्षीय वंदना साहू (पति गजेंद्र साहू) का था,जिन्हें रात 1.20 बजे प्रसव पीड़ा के साथ स्वास्थ्य केंद्र लाया गया।आरएचओ पूनम सिन्हा की निगरानी में वंदना ने रात 2 बजकर 46 मिनट पर 3.700 किलोग्राम वजनी स्वस्थ शिशु को जन्म दिया,यह उनका प्रथम प्रसव था। इसके बाद ग्राम तर्रा निवासी 27 वर्षीय यज्ञा तारक (पति ओंकार तारक) को सुबह 3 बजे लाया गया।उनका यह द्वितीय प्रसव था, जिसमें उन्होंने 3 बजकर 58 मिनट पर 2.7 किलोग्राम वजनी स्वस्थ शिशु को जन्म दिया। दोनों ही डिलीवरी पूर्णत: सामान्य एवं सुरक्षित रूप से संपन्न हुईं।

युद्ध गति से काम करके अवंती बाई चौंक पर प्रमुख राइजिंग पाइप लाइन का संधारण कर 5000 घरों में पानी पहुंचाया गय

भिलाईनगर। अवंती बाई चौक के समीप फरीदनगर टंकी से संयोजित 300 डाया स्त्रद्ब प्रमुख राइजिंग पाइप लाइन गुजरती है। इसके माध्यम से फरीद नगर एवं उससे लगे हुए क्षेत्र में नियमित पानी सप्लाई लाइन किया जाता है। दो दिनों में लगभग 5000 घरों में जलापूर्ति बाधित थी। दो से तीन जगहों पर लीकेज था, उसे ठीक कराया गया , फिर भी सप्लाई में समस्या आ रही थी। उसे निगम के अभियंताओं द्वारा गहनता के साथ पता किया गया, तो पता चला कि अवंती बाई चौक के पास से जो राइजिंग पाइपलाइन गुजरती है वह पंचर हो गयी है। इसके कारण पानी सप्लाई 5000 घरों में बाधित हो रहा था ।

आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने निर्देश दिया कि गर्मी को देखते हुए बिना देर किए काम शुरू किया जाए। प्राप्त आदेशानुसार उपअभियंता पुरुषोत्तम सिन्हा अपनी टीम को लेकर युद्ध स्तर पर कार्य करवाए। जिसका नतीजा यह रहा कि पाइप लाइन ठीक हो गया है। पहले पानी की टंकी भरी हुई थी, उसके माध्यम से 12:00 श्चद्व तक जलापूर्ति सुविधा सुचारू रूप से बहाल की गई। पानी का सप्लाई नियमित रूप से होगा। इस सप्लाई से उस क्षेत्र के 5000 से अधिक परिवारों को नियमित पीने का पानी मिलने लगेगा।

वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन, महापौर नीरज पाल लोगों से अपील किए है कि पानी बहुत कीमती है, अक्सर देखने में आता है कि लोग अपने घर का पानी भर लेने के बाद नल बंद नहीं करते हैं । व्यर्थ पानी नाली में डालकर बर्बाद कर देते हैं। एक जगह का नल खुला छोड़ देने से दूसरे जगह पानी का प्रेशर कम हो जाता है, जिससे पानी चढ़ नहीं पाता है। यह सभी के सहयोग से होगा। नगर निगम अपना प्रयास कर रहा है, नागरिक भी सहयोग करें।

कड़ी मेहनत, एकाग्र मन और बेहतर शिक्षा सफलता का मूलमंत्र है- भावना बोहरा

पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने लक्ष्य निःशुल्क कोचिंग के छात्रों को प्रोत्साहित किया

कवर्धा (समय दर्शन)। पंडरिया विधायक भावना बोहरा द्वारा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों के लिए संचालित लक्ष्य नि:शुल्क कोचिंग में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं से मुलाकात कर विधायक भावना ने उन्हें प्रोत्साहित किया। भावना ने बच्चों के साथ अपने विद्यार्थी जीवन के अनुभव साझा करते हुए उन्होने कहा कि कड़ी मेहनत, एकाग्र मन और बेहतर शिक्षा ही सफलता का मूलमंत्र है।

पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने कोचिंग में पढ़ाई व सुविधाओं के संबंध में भी चर्चा कर छात्रों को मन लगाकर पढ़ाई करने की बात कही। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले गरीब व मध्यम वर्गीय परिवार के युवाओं के लिए विधानसभा स्तर पर पंडरिया में लक्ष्य नि:शुल्क कोचिंग सेंटर संचालित है। यहां वर्तमान में 220 से अधिक युवक युवतियों को नि:शुल्क कोचिंग की सुविधा मिल रही है।

पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने सभी बच्चों को उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि लक्ष्य निरूशुल्क कोचिंग सेंटर की स्थापना का हमारा मुख्य उद्देश्य ऐसे प्रतिभावान विद्यार्थियों जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं तथा संसाधनों की कमी होने की वजह से वे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी नहीं कर पाते हैं उन्हें प्रोत्साहित करना है और उन्हें भी बेहतर शिक्षा प्रदान करना है ताकि वे अपने सपनों को पूरा कर सकें। इन युवाओं के ऊपर ही हमारे देश व प्रदेश के उज्वल भविष्य की नींव टिकी हुई है इसलिए उन्हें बेहतर शिक्षा मिल सके इसके लिए हम सभी का संयुक्त प्रयास आवश्यक है। संसाधनों की कमी की वजह से कोई भी बच्च शिक्षा ग्रहण करने से वंचित न रहे इसके लिए हम निरंतर प्रयास कर रहें हैं और आगे भी हमारा प्रयास जारी रहेगा। हमें ख़ुशी है कि आज लगभग 200 से अधिक बच्चों को हमारे इस प्रयास से लाभ मिल रहा है, इससे कहीं न कहीं उनके परिजनों को भी आर्थिक व मानसिक संबल मिल रहा है।

भावना बोहरा ने आगे कहा कि हमारा लक्ष्य है कि हमारे पंडरिया विधानसभा का कोई भी युवा शिक्षा के क्षेत्र में पीछे न रहें। उन्हें बेहतर शिक्षा और सुविधा मिल सके तथा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु साधन व संसाधन की कमी उन्हें अपने सपनों को पूरा करने में कोई अवरोध न बन सके इसके लिए हम कृतसंकल्पित हैं। हमारे युवाओं को बेहतर शिक्षा, मार्गदर्शन और एक मंच के माध्यम से वे सही राह पर चलकर विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धियां अर्जित करें और अपने समाज, माता-पिता, क्षेत्र और हम सभी का नाम रोशन कर सके।

मानवता के हित में रक्तदान किया चालकों ने

कोरबा। कई बार ऐसी स्थिति उत्पन्न हो जाती है जब पीडितों की जिंदगी बचाने के लिए रक्त की आवश्यकता होती है। इसका प्रबंध करने के लिए पीड़ितों के परिजनों को कई प्रकार की समस्याओं को झेलना पड़ता है। कोरबा जिले के सरकारी और निजी ब्लड बैंको की प्यास बुझाने के लिए जन भागीदारी को जरूरी समझ गया है। कोरबा में वाहन चालक मालिक संघ के द्वारा इसी सिलसिले में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। ओपन थिएटर घंटाघर चैराहा पर यह कैंप बिलासपुर ब्लड बैंक के सहयोग से हुआ। संगठन के सदस्यों के साथ-साथ आम लोगों ने यहां पहुंचकर अपनी भूमिका निभाई। मनोहर लाल ने बताया कि वह इस रास्ते से गंतव्य को जा रहे थे जब उन्होंने एक अच्छी थीम के साथ आयोजन को देखा तो उनके मन में रक्तदान करने का विचार आया। वाहन चालक मालिक संघ के अध्यक्ष बादल विश्वास ने बताया कि काफी समय से सामाजिक सरोकारों के अंतर्गत उनका संगठन कोशिश कर रहा है। खास तौर पर विभिन्न मामलों में रक्त की जरूरत पड़ती है कई बार ऐसा होता है, जब अलग-अलग समूह का ब्लड तलासने के लिए लोग परेशान होते हैं। हमने तय किया कि अलग-अलग समय पर इस प्रकार से शिविर लगाए जाएंगे ताकि इसके माध्यम से ब्लड बैंकों की जरूरत पूरी होगी और अपनी शर्तों के तहत हम जरूरतमंदों को रक्त उपलब्ध करा सकेंगे।

//न्यायालय तहसीलदार पाटन, जिला दुर्ग छ.ग.//

//ईश्तहार//

रा.प्र.क्र. 202505100900170 अ/6 वर्ष 2024-25

एतद द्वारा सर्व साधारण एवं ग्राम जामगांव एम प.ह.नं. 14 तहसील पाटन, जिला दुर्ग के आम जनता को सूचनार्थ किया जाता है कि आवेदक अभिषेक मेश्राम पिता स्व. राजेन्द्र कुमार निवासी कटोरा तालाब रायपुर तहसील व जिला रायपुर छ.ग. द्वारा ग्राम जामगांव एम प.ह.न. 14 तहसील पाटन जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा 654/2, 655/1 रकबा 0.13, 0.30 हे. में दर्ज खातेदार भूमिस्वामी रीता मेश्राम पति स्व. राजेन्द्र का दिनांक 27.04.2021 को फौत होने से उसके नाम विलोपित कर उनके वैध वारिसानों के नाम फौती नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु प्रस्तुत आवेदन आधार पर प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अत: आवेदक अभिषेक मेश्राम पिता स्व. राजेन्द्र कुमार निवासी कटोरा तालाब रायपुर तहसील व जिला रायपुर छ.ग. द्वारा दर्शित भूमि फौती नामांतरण की कार्यवाही मे जिस किसी व्यक्ति / संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण मे सुनवाई तिथि 23.06.2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 30.05.2025 को जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार
पाटन, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

दुर्ग में 12 जून को होगा लोकतंत्र का प्रदर्शन कांग्रेस निकालेगी संविधान बचाओ रैली

दुर्ग (समय दर्शन)। शहर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा 12 जून (गुरुवार) को आयोजित की जाने वाली 'दुर्ग विधानसभा स्तरीय संविधान बचाओ रैली' की तैयारियों को लेकर आज राजीव भवन दुर्ग में एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक में आयोजन की रणनीति, जनजागरण अभियान और सभी मोर्चों की सहभागिता पर विशेष चर्चा हुई। बैठक को संबोधित करते हुए वरिष्ठ कांग्रेस नेता *पूर्व विधायक अरुण वोरा ने कहा: हमारा संविधान 75 वर्षों से भारत के हर नागरिक के अधिकारों की रक्षा करता आया है। आज जब उस संविधान के मौलिक सिद्धांतों को ही मिटाने की कोशिश की जा रही है,अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता खत्म की जा रही है, संसद को कमजोर किया जा रहा है, और संस्थाओं को सरकार की कठपुतली बनाया जा रहा है,तब हर जागरूक नागरिक का फर्ज़ है कि वो सड़कों पर उतरकर आवाज़ उठाए। यह रैली सिर्फ राजनीतिक नहीं, बल्कि लोकतंत्र और संविधान के प्रति हमारी प्रतिबद्धता की रैली है। वहीं *पूर्व महापौर आर.एन. वर्मा ने कहा: संविधान केवल एक किताब नहीं, यह देश की आत्मा है। इसी ने हमें अधिकार दिए, समानता दी, और न्याय का रास्ता दिखाया। आज जब इसे नष्ट करने की साजिशें चल रही हैं, तब हमारा एकजुट होना और जनता को इसके लिए जागरूक करना सबसे बड़ा राष्ट्रधर्म है।

बैठक में प्रमुख रूप से जिला कांग्रेस अध्यक्ष गया पटेल, पूर्व महापौर शंकर लाल ताम्रकार, पूर्व महापौर धीरज बकलीवाल, प्रदेश सचिव अयूब खान, ब्लॉक अध्यक्ष अजय मिश्रा, राजकुमार पाली, राजकुमार साहू, वरिष्ठ अधिवक्ता कौशल किशोर सिंह, प्रवक्ता नासिर खोखर, अनूप वर्मा, प्रीतम देशमुख, मोहित वाल्दे, बृजमोहन तिवारी सहित अनेक वरिष्ठ कांग्रेसजन एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक में तय हुआ कि 12 जून को सुबह 11 बजे राजीव भवन से रैली की शुरुआत होगी, जिसमें कांग्रेस के सभी संगठन—महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस, एनएसयूआई, सेवा दल सहित अन्य कांग्रेस के प्रकोष्ठ संविधान रैली में भी अपना सक्रिय योगदान देकर सफल बनाएंगे ।

//न्यायालय कार्यपालिक दण्डाधिकारी भाटापारा, जिला बलौदाबाजार-भाटापारा छ.ग.//

//ईश्तहार//

रा.प्र.क्र.
ब/121 वर्ष 2024-2025
ग्राम का नाम कोसमंदा

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कुलेश्वर वर्मा पिता अशोक कुमार वर्मा जाति कुर्मी निवासी ग्राम कोसमंदा प0ह0नं0 19 तहसील भाटापारा जिला बलौदाबाजार -भाटापारा (छत्तीसगढ़) के द्वारा अपने पुत्र जागेश्वर वर्मा पिता श्री कुलेश्वर वर्मा माता का नाम श्रीमती उर्मिला वर्मा का जन्म दिनांक 29.08.2012 (स्थान) ग्राम कोसमंदा का पंजीयन करने हेतु रजिस्ट्रार जन्म / मृत्यु सचिव ग्राम पंचायत कोसमंदा तहसील भाटापारा जिला बलौदाबाजार भाटापारा (छत्तीसगढ़) को जन्म/मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 एवं छ0ग0 जन्म/मृत्यु रजिस्ट्रीकरण नियम 2001 के नियम 9 (3) के तहत शपथपत्र, अनुपलब्धता, सरपंच प्रमाण पत्र, शैक्षणिक प्रमाण पत्र सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिसके सबंध में प्रकरण विचाराधीन है, तथा दिनांक. ..को सुनवाई हेतु नियत है।

अत: उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार की कोई दावा/आपत्ति तारीख 16/6/25 पेश करना हो तो नियत पेशी तारीख तक स्वयं या अपने अभिभाषक या वैध प्रतिनिधि के माध्यम से दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत अवधि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 2/6/25 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर सहित जारी किया गया।

मुहर

कार्यपालिक दण्डाधिकारी भाटापारा
(छत्तीसगढ़)

// न्यायालय तहसीलदार अहिवारा, जिला दुर्ग (छ.ग.) //

//उद्घोषणा//

रा.प्र.क्र./202506104000026/अ-74/वर्ष 2024-25
ग्राम खासाडीह प.ह.नं. - 05

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक/आवेदिका लता मारकण्डे पति ईश्वर सिंह मारकण्डे, निवासी वार्ड क्रमांक 03 अहिवारा, तहसील अहिवारा व जिला दुर्ग (छ.ग.) के द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर लेख किया है कि मौजा ग्राम खासाडीह, प.ह.नं. 05, तहसील अहिवारा जिला दुर्ग (छ.ग.) स्थित भूमि खसरा नंबर 626/4, 626/5 रकबा क्रमश: 0.07, 0.09 हे0 भूमि वर्तमान राजस्व अभिलेख में आवेदिका लता मारकण्डे पति ईश्वर सिंह मारकण्डे के नाम पर भूमिस्वामी हक में दर्ज है। उक्त आवेदित भूमि को पंजीकृत विक्रय विलेख के माध्यम से क्रय किया गया है। उक्त आवेदित भूमि का नक्शा बटांकन नहीं हुआ है। उक्त भूमि का नक्शा बटांकन करने हेतु निवेदन कर आवेदन के समर्थन में, वर्तमान बी-1, नक्शा, खसरा, आधार कार्ड की छायाप्रति एवं अन्य दस्तावेज संलग्न कर प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव इस आवेदन के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था को कोई आपत्ति, दावा हो तो स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय में पेशी दिनांक 27/06/2025 को या उसके पूर्व कार्यालयीन दिवस को लिखित में आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पर कोई विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 09/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के सील-मुहर से जारी किया गया है।

पेशी दिनांक: 27/06/2025
जारी दिनांक : 09/06/2025

मुहर

तहसीलदार
अहिवारा, जिला दुर्ग (छ.ग.)

कार्यालय जिला बाल संरक्षण अधिकारी, महिला एंव बाल विकास विभाग
जिला – बेमेतरा (छ.ग.)
Email ID : bmticps2015@gmail.com

क्र 195/ मबावि / M.V. / 2025–26 बेमेतरा,दिनांक 06/06/2025

प्रति
जनसंपर्क अधिकारी
जिला – बेमेतरा (छ.ग.)

विषयः– प्रेस विज्ञाप्ति करने के संबंध में।

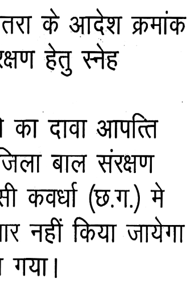

दावा आपत्ति

1. बच्चे का नाम :– अंशु
2. बच्चे का प्राप्ति दिनांक :– 22 / 4 / 2025
3. संस्था :– स्नेह विशेषीकृत दत्तक ग्रहण एजेंसी कवर्धा
4. रंग :– गेहुआ
5. जन्मतिथि :– 04 वर्ष (लगभग)

उक्त बालक दिनांक 28 / 04 / 2025 को बालक कल्याण समिति बेमेतरा के आदेश क्रमांक 79 / बा.क.स / बेमे. / 2025–26 बेमेतरा, दिनांक 28 / 04 / 2025 से अस्थाई संरक्षण हेतु स्नेह विशेषीकृत दत्तक ग्रहण एजेंसी कवर्धा (छ.ग.) मे रखा गया है।

सर्व संबंधित को जो कि बालक के वैधानिक पालक / अभिभावक होने का दावा आपत्ति दर्ज करना चाहते हैं, दावा आपत्ति के प्रकाशन तिथि से 30 दिवस के भीतर जिला बाल संरक्षण अधिकारी,महिला एंव बाल विकास बेमेतरा अथवा विशेषीकृत दत्तक ग्रहण एजेंसी कवर्धा (छ.ग.) मे दर्ज करा सकते है। उक्त समयावधि के पश्चात् प्राप्त दावा–आपत्तियों पर विचार नहीं किया जायेगा तथा दत्तक ग्रहण की कार्यवाही की जावेगी यह विज्ञापन मेरे द्वारा जारी किया गया।

G- 252601450/1

जिला बाल संरक्षण अधिकारी
महिला एंव बाल विकास विभाग
जिला – बेमेतरा (छ.ग.)

संक्षिप्त-खबर

सीएम हाउस के सामने आत्मदाह की चेतावनी देने वाली वृद्ध महिला और विकलांग बेटी गायब! प्रशासन में मचा हड़कंप

पिथौरा (समय दर्शन)। पिथौरा क्षेत्रान्तर्गत के शिक्षिका द्वारा हड़पे गए अपने घर को वापिस दिलाने की मांग को लेकर प्रशासन से आत्मदाह की चेतावनी देने वाली वृद्ध महिला अचानक गायब हो गई है। मिली जानकारी के अनुसार 70 वर्षीय महिला प्रतिभा मसीह ने कलेक्टर जनदर्शन में न्याय की गुहार लगाते हुए चेतावनी दी थी। अगर उसे उसका घर वापिस नहीं दिलाया गया तो वह 10 जून को ष्टरू हाउस के सामने आत्मदाह कर लेगी। रविवार की सुबह से वह अपनी बौद्धिक विकलांग बेटी और दो नातियों के साथ अचानक कहीं चली गई है। उनके गायब होने से प्रशासन में हड़कंप मच गया है। इस मामले ने तुल पकड़ लिया है।सभी जगह चौक चौराहों मे यह मुद्दा चर्चा का विषय बना हुआ है । यह समाचार मीडिया मे खूब वायरल हो रहा है। पुलिस की छानबीन मे सच्चाई सामने आएगा । फिलहाल पुलिस बीते 24 घंटों से उनको ढूंढने में जुटी हुई है।

खेत मार्ग में किए गए अवैध कब्जे को हटवा कर रास्ता खुलवाया, कलेक्टर जनदर्शन में दिए आवेदन पर हुई कार्यवाही

बलराम यादव

भिलाई (समय दर्शन)। रिसाली नगर निगम क्षेत्र के ग्राम dundera के खुमान साहू ने कलेक्टर दुर्ग के समक्ष शिकायत किया कि उनके और अन्य 07 किसानों के खेत में आने जाने के मार्ग को तुला राम ने पोल गड़ाकर, तार का घेरा डालकर, लोहे का दरवाजा लगाकर मार्ग अवरुद्ध कर दिया है। खुमान साहू की शिकायत कर कार्यवाही करने तहसीलदार दुर्ग को निर्देश मिलने के बाद तहसीलदार प्रफुल्ल कुमार गुप्ता ने शिकायत की जांच करवाई। जांच रिपोर्ट में शिकायत सही मिलने पर कलेक्टर और ह्यस्रद्व के निर्देश पर आज नायब तहसीलदार वसु मित्र दीवान के नेतृत्व में राजस्व निरीक्षक नारायण शास्त्री, पटवारी सीमा मेश्राम, नगर निगम रिसाली के राजस्व निरीक्षक मंगल कुर्रे, एवं उतई थाना के पुलिस स्टाफकी मौजूदगी में तुलाराम द्वारा किए गए अवैध कब्जे को हटवाने की कार्यवाही की गई। कब्जा हटवाने की कार्यवाही के दौरान अतिक्रमण तुलाराम के विरोध भी सहना पड़ा। लेकिन किसानों की परेशानी को ध्यान में रखकर अवैध कब्जे की हटवाया गया। तुलाराम द्वारा खेत के आने जाने के मार्ग को अवरुद्ध कर देने से शिकायतकर्ता खुमान साहू के अलावा द्विजेंद्र साहू, विश्राम, तूनेंद्र, कल्याण, द्वारका प्रसाद, डेमन कुमार, पोषण प्रभावित हो गए थे जो अपने खेत में आना जान नहीं कर ला रहे थे । कब्जा हट जाने से उनकी समस्या का निदान हो गया।

समर कैंप में डॉ एकता लंगेह ने बच्चों को नशा से दूर रहने की दी सीख

महासमुंद। समाजसेवी डॉ. एकता लंगेह के मार्गदर्शन में स्वयं सेवी संस्थाओं के संयुक्त तत्वाधान में ग्रीष्मकालीन राज्य स्तरीय मासिक समर कैंप का आयोजन महासमुंद में किया गया। पूरे एक माह तक लगातार जारी रहने के बाद इस समर कैम्प के समापन अवसर पर समाज सेवी डॉ. एकता लंगेह ने प्रशिक्षित बच्चों को प्रमाण पत्र व मोमेंटो देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर डॉ. एकता ने बच्चों को अपनी रचनात्मक प्रतिभा को निखारने व अपनी योग्यता के बल पर खुद की पहचान की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि सभी बच्चे मोबाइल व नशापान जैसी अन्य बुराइयों से दूर रहें। मासिक समर कैंप के प्रशिक्षित बच्चों ने कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह से उनके कार्यालय में मुलाकात कर उनसे आशीर्वाद लिया। कलेक्टर से मिलकर बच्चों ने खुशी जाहिर की। कलेक्टर ने सभी बच्चों को बधाई देते हुए अपने समर कैंप में सीखे अनुभवों को साझा करने कहा और बच्चों को रचनात्मक और बेहतर भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। समर कैंप में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु मास्टर ट्रेनर अजय शर्मा, अनिस शर्मा, रोशनी सलाम ,सौम्या साहू रोशन सिंह रूप , साधना ठाकुर को पुरस्कृत किया गया।

खारुन दाई (नदी) बचाओ आंदोलन में शामिल हुए अहिवारा के सेनानी

होमन सिंह ठाकुर समय दर्शन नंदिनी अहिवारा। छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना के नेतृत्व में 1 जून से 5 जून तक खारून नदी के आजादी के लिये जबर पद यात्रा का आयोजन रखा गया था जिसे क्षेत्रीय राजनीतिक दल जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी और छत्तीसगढ़िया समाज ने पूर्ण समर्थन दिया7अहिवारा नगर के छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना और जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के पदाधिकारी और सेनानी लोग भी इस महा आयोजन में सम्मिलित होकर अपना पूर्ण समर्थन दिया7जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी अहिवारा नगर अध्यक्ष आशुतोष ने बताया कि आज सरकार अपने बड़े बड़े उद्योग पति मित्रों को

लाभ पहुंचाने के लिए छत्तीसगढ़ के जल,जंगल और जमीन को बेच रही है पहले सरकार ने हसदेव जंगल के 3 लाख पेड़ों को काट डाला और अब ग्रामसभा के बिना अनुमति के उद्योग को नदी का पानी दे रही है जिसके गांव में जल स्तर गिरता जा रहा है पीने और निस्तारी के लिए पानी की समस्या बढ़ती जा रही है7उद्योगों से निकलने वाला गंदा पानी नदी और तालाबों में मिल रहा है जिससे पानी प्रदुषित होता जा रहा है और विभिन्न प्रकार की बीमारियाँ होने लगी है,लगातार गिरते हुए जल स्तर और नदियों को संरक्षित करने के लिए छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना ने 1 जून से 5 जून तक खारून दाई की आजादी के लिए जबर पद यात्रा का आयोजन किया था इस आयोजन को आस-पास के सभी ग्राम वासियों का भरपुर समर्थन और साथ मिला7 समापन समारोह में कौशल साहू(जिला उपाध्यक्ष) जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी दुरूग ग्रामीण ,धर्मेंद्र साहू (जिला उपाध्यक्ष)छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना भिलाई ,परमेश्वर ठाकुर संरक्षक छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना अहिवारा नगर,आशुतोष साहू(नगर अधयक्ष) जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी अहिवारा नगर,मुकेश साहू (नगर अध्यक्ष) छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना अहिवारा नगर,कमलेश मारकंडे (महामंत्री) छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना अहिवारा नगर,भूषण साहू, महेंद्र धुर्वे,आजाद शिवारे,होमन ठाकुर,संतोष साहू, विकास साहू,योगेश वर्मा,राजू पटेल हितेश पटेल,देवेन्द्र साहू, नीलेश, प्रकाश साहू,छोटू यादव,ओमकार ठाकुर, उत्तरा वे अन्य पदाधिकारी और सेनानी सम्मिलित हुए।

कृषि की उन्नत तकनीक एवं योजनाओं की समुचित जानकारी से सशक्त होंगे कृषक

बसना (समय दर्शन)। भंवरपुर मंडल अंतर्गत ग्राम चनाट में माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी एवं केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं छत्तीसगढ़ के लोकप्रिय मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं प्रदेश कृषि मंत्री राम विचार नेताम द्वारा चलाए जा रहे विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत किसानों तथा शासन व प्रशासन के बीच की दूरी को खत्म करते हुए किसानों के नई तकनीक से मृदा व जल संरक्षण करते हुए अधिक आय प्राप्त करने पर प्रेषित किया जा रहा है। कार्यक्रम के शुरुआत में विवेक पटेल ने किसानों को मृदा परीक्षण के बारे में जानकारी दिया छत्तीसगढ़ शासन द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दिया।

विषय वस्तु विशेषज्ञ रवीश केसरी ने खेती के नई तकनीक के बारे में बताया। मृदा व जल संरक्षण के उपाय बताएं। उसी कड़ी में सुबोध प्रधान सहायक अध्यापक ने कृषि महाविद्यालय के बारे में बताया कि धान के फसलों के बारे में फसल में लगने वाले कीटों के रोकथाम और उत्पादन अधिक लेने के तरीकों के बारे में, वरिष्ठ उद्यान विकास अधिकारी दिलीप रौतिया ने आम के फसल, पाल्म वृक्ष, सब्जी, ग्रीन हाउस जैसे कई योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दिया।

भाजपा मंडल महामंत्री धर्मेंद्र पटेल ने बताया कि विकसित कृषि संकल्प अभियान हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी व छत्तीसगढ़ के लोगप्रिय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव जी की अनोखी पहल है। मानसून दस्तक दे रहा है खरीफके मौसम की तैयारी है और ऐसे में आने वाले 12 से 15 दिनों तक देश व राज्य के वैज्ञानिकों की टोली प्रगति सेल किसानों के बीच जा रही है यह निश्चित ही किसानों के लिए लाभप्रद होगी यह अभियान जनता और शासन प्रशासन के बीच सीधे संवाद कर रही है जो सिर्फ भाजपा के शासनकाल में ही संभव है। कार्यक्रम के संचालन में ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी गण संदीप पटेल, हीमा नायक, हरिशंकर कैवर्ट का सहयोग प्राप्त हुआ।

उक्त कार्यक्रम में प्रगतिशील किसान संघ से हरप्रसाद चौधरी, संजय पटेल, हेमचंद पटेल, मनीष पटेल, मोहनलाल

पटेल, राजेंद्र पटेल उदल प्रसाद पटेल, सत्यनारायण, तिहारु एवं अनेक किसान मौजूद रहे।

ऑटो संघ एवं बस एसोसिएशन के मध्य चल रहे मतभेद का समाधान का मार्ग प्रशस्त

भाटापारा (समय दर्शन)। भाटापारा में लम्बे समय से ऑटो संघ एवं बस एसोसिएशन के मध्य चल रहे मतभेद का समाधान आज संवाद, सहयोग एवं संयम की त्रिवेणी से संभव हो सका। पूर्व विधायक एवं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष शिवरतन शर्मा के मार्गदर्शन, नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा के समन्वयपूर्ण प्रयासों तथा दोनों पक्षों की सकारात्मक सोच और परस्पर विश्वास ने इस जटिल विषय को शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाने का मार्ग प्रशस्त किया। इस समाधान की दिशा में नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा के समन्वयकारी प्रयासों की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही। उनके नेतृत्व में दोनों पक्षों के प्रतिनिधियों से खुले विचार-विमर्श और निष्पक्ष वार्ता का वातावरण तैयार हुआ, जिससे समन्वय का मार्ग प्रशस्त हुआ। इस सराहनीय पहल के प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हुए ऑटो संघ के प्रतिनिधिमंडल ने नगर पालिका कार्यालय पहुंचकर अध्यक्ष अश्वनी शर्मा के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर उन्हें यह विश्वास भी दिलाया गया कि भविष्य में भी जनहित एवं परिवहन सुविधा से जुड़े विषयों पर पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया जाएगा। यह समाधान न केवल दो संगठनों के बीच समन्वय का प्रतीक है, बल्कि भाटापारा की यातायात व्यवस्था में स्थिरता, सुचारु संचालन और आमजन की सुविधा की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि भी है। सभी संबंधित पक्षों द्वारा प्रदर्शित संयम, सहभागिता और परिपक्वता ने सामूहिक प्रयास को सफलता में परिणत किया है।

अश्वनी शर्मा का वर्जन (उक्त प्रसंग पर प्रतिक्रिया) परिवहन व्यवस्था किसी भी नगर की जीवनरेखा होती है। ऑटो संघ और बस एसोसिएशन के बीच उत्पन्न स्थिति को शांति और विश्वास के साथ सुलझाना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी थी। सभी पक्षों ने परिपक्वता दिखाई और संवाद के माध्यम से समाधान को अपनाया, इसके लिए सभी धन्यवाद के पात्र हैं। जनहित में हम सदैव तत्पर हैं और भविष्य में भी ऐसी सकारात्मक पहल जारी रहेगी।

मां का प्यार, एक नई दिशारू श्रीमती मेघा तिवारी की प्रेरणादायक कहानी

धमतरी (समय दर्शन)। कभी-कभी जीवन ऐसी परीक्षा लेता है, जहां हर रास्ता धुंधला लगता है और उम्मीद की एक किरण भी दूर कहीं खो जाती है, लेकिन ऐसे कठिन समय में जो अपनी तकदीर की कूची खुद थामकर तस्वीर बनाते हैं, वो इतिहास रचते हैं। श्रीमती मेघा तिवारी की कहानी भी कुछ ऐसी ही है- एक मां की, जो अपनी बेटी के लिए दुनिया से नहीं, खुद से लड़ गई। 2011 का वो भयावह रोड एक्सीडेंट जब एक मां की पूरी दुनिया पल भर में बदल गई, उनकी नन्ही बिटिया कोमा में चली गई, और फिर शुरू हुआ मानसिक चुनौतियों का लंबा, थका देने वाला दौर।

जीवन की इस सबसे बड़ी परीक्षा के सामने कोई भी टूट जाता, लेकिन मेघा तिवारी ने अपनी पीड़ा को ही अपनी शक्ति बना लिया। यह सफर था एक मां से एक स्पेशल एजुकेटर बनने का, वो भी अपनी ही बेटी की। दर्द को धैर्य और संघर्ष को संकल्प में बदलने वाली मेघा तिवारी की यह सफर न सिर्फ प्रेरणादायक है, बल्कि हर दिल को गहराई से छू जाती है। मां होने का असल अर्थ उन्होंने दुनिया को दिखाया-जहां ममता सिर्फ देखभाल नहीं, बल्कि परिवर्तन की मिसाल बन जाती है।

गौरतलब है कि, दर्द से जूझते हुए भी श्रीमती मेघा तिवारी ने हार नहीं मानी। उन्होंने मन ही मन निर्णय लिया कि अब अपनी बेटी की शिक्षिका बनकर ही उसका भविष्य संवारेंगी। इस फैसले की राह आसान नहीं थी, लेकिन उन्होंने स्पेशल एजुकेटर का कोर्स जॉब करते-करते पूरा किया। उस समय उनका हर दिन चुनौतियों से भरा होता था-एक तरफ नौकरी की जिम्मेदारी, दूसरी तरफ बेटी की देखभाल और तीसरी तरफ पढ़ाई। लेकिन उन्होंने न सिर्फ इन सबका संतुलन बनाया, बल्कि उत्कृष्टता के साथ कोर्स भी पूर्ण किया।

संघर्ष जब व्यक्ति को तोड़ता नहीं, बल्कि तराशता है, तब उससे जन्म लेती है वह शक्ति, जो सिर्फ अपने लिए नहीं, औरों के लिए भी जीना जानती है। मेघा तिवारी के भीतर अब केवल एक मां नहीं थी, वहां एक मिशन जन्म ले चुका था। उन्होंने तय कर लिया था-जिस पीड़ा ने उन्हें झकझोरा, वह अब किसी और मां के आंचल को न भिगो सके। इसी संकल्प से जन्म हुआ अर्पिता स्पेशल एजुकेशन एवं स्पीच क्लासेस का, जो न केवल उनकी बेटी के लिए एक पुनर्जीवन का माध्यम बना, बल्कि दर्जनों ऐसे बच्चों की भी आशा की किरण बन गया, जिन्हें समाज ने विशेष कहकर किनारे कर दिया था। परंतु मेघा ने उन्हें मुख्य धारा में लाने का सपना देखा और उसे साकार करने की जिद भी।

श्रीमती मेघा तिवारी का उद्देश्य समाज में एक सकारात्मक बदलाव लाना है। वह जरूरतमंद बच्चों को नि:शुल्क मार्गदर्शन देती हैं। साथ ही रियायत दर पर लोगो की मदद। उनका मानना है कि सभी बच्चे बहुत ही खास होते है और उसे बस सही दिशा देने की जरूरत है। पैसे की कमी कभी भी किसी के सपनों की रुकावट नहीं बननी चाहिए-यही सोच उन्हें लगातार प्रेरित करती है। उनके पास आने वाले हर बच्चे में वो अपनी बेटी की झलक देखती हैं, और उसी ममता से उन्हें सीखाती हैं।

श्रीमती मेघा तिवारी कहती हैं कि कुछ लोगों ने हमेशा मेरा हौसला बढ़ाया, लेकिन एक नाम विशेष रूप से उनके जीवन में प्रेरणा की रोशनी बना-राजनांदगांव की प्रसिद्ध स्पीच थैरेपी विशेषज्ञ श्रीमती रजनी राठी। उनके मार्गदर्शन और आत्मीय प्रोत्साहन ने मेघा तिवारी को नई दिशा दी। उन्होंने न केवल उन्हें आगे बढ़ने का हौसला दिया, बल्कि अपने अनुभवों से उन्हें विशेष शिक्षा के क्षेत्र में गहराई से जुड़ने में मदद की।

महापौर की दो टूक : ठेकेदार गुणवत्ता से कार्य करे अन्यथा नहीं होगा भुगतान

रिसाली महापौर का औचक निरीक्षण

रिसाली (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम रिसाली की महापौर शशि सिन्हा ने विजिट के दौरान ठेकेदारों को दो टूक कहा है कि खराब गुणवत्ता वाले कार्य पर निगम भुगतान नहीं करेगा। दरअसल वे निगम क्षेत्र में निर्माणधीन कार्य का निरीक्षण लगातार कर रही है। इस दौरान उन्होंने निगम क्षेत्र में बनने वाले रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम को भी देखा। महापौर शशि सिन्हा अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए है कि खराब गुणवत्ता वाले कार्यो की फाइल को आगे न बढ़ाए। जांच में प्रथम, द्वितीय किस्त जारी करने पर सीधे अधिकारी के खिलाफगुणदोष के आधार पर कार्यवाही करने उच्च अधिकारियों को पत्र प्रेषित किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम निर्माण कार्य कई जगह पर चल रहा है। इस कार्य को अधिकारी सूक्ष्मता से देखे। महापौर शशि ने स्थल चयन को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दी। उन्होंने महापौर परिषद के सद्स्य जहीर अब्बास, संजू नेताम, अनिल देशमुख के साथ वार्ड 17 शिव पारा, वार्ड 19 विजय चौक, वार्ड 20 शंकर पारा, वार्ड 26 अवधपुरी में निर्माणधीन रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम का निरीक्षण की।

ग्राम छान्दनपुर मे सम्पन्न हुआ अष्टप्रहरी हरिनाम संकीर्तन

- विधायक डॉ संपत अग्रवाल ने शामिल होकर प्रदेशवासियों के लिए की समृद्धि की कामना

बसना (समय दर्शन)। बसना विधानसभा क्षेत्र के ग्राम छांदनपुर में धार्मिक आस्था और भक्ति से ओत-प्रोत अष्ट प्रहरी हरिनाम संकीर्तन महायज्ञ का भव्य आयोजन किया गया। इस पुण्य अवसर पर बसना विधायक डॉ संपत अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने श्रद्धालुओं के साथ मिलकर विधिवत पूजा-अर्चना कर क्षेत्रवासियों के साथ-साथ प्रदेशवासियों की सुख, शांति और समृद्धि की कामना की।

महायज्ञ स्थल पर पहुंचकर विधायक डॉ संपत अग्रवाल ने हरे राम, हरे कृष्ण महामंत्र का जाप करते हुए कहा कि अष्ट प्रहरी हरिनाम संकीर्तन महायज्ञ में हरे राम हरे कृष्णा नाम का जाप अविराम किया जाता

है। यह संकीर्तन मन, वचन और कर्म की शुद्धता का माध्यम है। उन्होंने बताया कि कलियुग में हरिनाम संकीर्तन ही मुक्ति का प्रमुख मार्ग है और इस महायज्ञ से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

अष्ट प्रहरी हरिनाम संकीर्तन महायज्ञ की परंपरा आदि अनादि काल से चली आ रही है। यह आयोजन चैतन्य महाप्रभु की भक्ति परंपरा से प्रेरित है, जिसमें सोलह नामों तथा बत्तीस वर्णों से युक्त महामंत्र का संकीर्तन किया जाता है। श्रीमद्भागवत पुराण के अनुसार, कलियुग में भगवान के ध्यान (तप), यज्ञ-अनुष्ठान और पूजा-अर्चना से जो फल मिलता था, वह पुण्यफल श्रीहरि के नाम-संकीर्तन मात्र से ही प्राप्त हो जाता है।

कार्यक्रम की सफलता पर विधायक डॉ संपत अग्रवाल ने आयोजन समिति को बधाई दी और कहा कि ऐसे महायज्ञ समाज में सद्गुणों की स्थापना करते हैं और लोगों को आध्यात्मिक मार्ग पर अग्रसर होने की प्रेरणा देते हैं। उनके इस वक्तव्य से श्रद्धालुओं में गहरी भक्ति भावना देखने को मिली और पूरे क्षेत्र में महायज्ञ की पावन गूंज सुनाई दी।

इस दिव्य आयोजन में कई जनप्रतिनिधि,धार्मिक गुरु सहित भारी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। श्रद्धालुओं ने भजन, प्रवचन और संकीर्तन के माध्यम से आध्यात्मिक अनुभव प्राप्त किया। आयोजन समिति ने बताया कि इस प्रकार के धार्मिक अनुष्ठान समाज में भक्ति और सद्भावना को बढ़ावा देते हैं। इस आयोजन ने समाज में धार्मिक चेतना को जागृत किया और सामूहिक प्रार्थना के माध्यम से प्रदेशवासियों की समृद्धि और कल्याण की कामना की गई। इस महायज्ञ का सकारात्मक प्रभाव दूर-दूर तक महसूस किया गया, जिससे श्रद्धालुओं में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हुआ।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26